विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 73 | गौतमबुद्धनगर, रविवार 11 फरवरी 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

सड़क पर उतरे प्राधिकरण के सीईओ

P- 4

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने थाना दिवस में सुनी जनता की फरियाद

P- 5

अमेरिका और जापान ने ताइवान को लेकर या किया ऐसा, भड़कते हुए

P- 6

विराट के सीरीज से बाहर रहने पर बोले स्टेन, परिवार पहली प्राथमिकता

हैप्पी मॉर्निंग

महिला- ये लिपस्टिक कितने की है? दुकानदार - 17 रुपये की। महिला - मैं 50 रुपये से एक रुपया भी ऊपर नहीं दूंगी, देना है तो दो। दुकानदार - बहन जी आपने लगता है गलत सुना, मैंने 70 नहीं 17 रुपये बोला है। ओह, फिर तो 12 रुपये में देना है तो बात करो।

शायरी

दिन प्रतिदिन हर तरह के प्रदूषण को बढ़ा रहे है
चंद कागज के टुकड़ों के खातिर कितना दुख उठा रहे है

अर्थसार

सेंसेक्स:
71,595.49
+167.06 (0.23%)
निफ्टी:
21,782.50
+64.55

मौसम

अधिकतम : 19 डिग्री से0
न्यूनतम : 07 डिग्री से0
सूयोदय सोमवार : 7 : 04
सूर्यास्त रविवार : 6 : 07

हरियाणा के 7 जिलों में 3 दिन इंटरनेट बंद

13 फरवरी को किसानों के दिल्ली कूच से पहले फैसला

पंजाब-हरियाणा का शंभू बॉर्डर सील किया

पंजाब के किसानों को दिल्ली जाने के लिए हरियाणा में घुसने से रोकने के लिए शनिवार दोपहर को पुलिस ने हरियाणा की तरफ से अंबाला में शंभू बॉर्डर को सील कर दिया। शंभू बॉर्डर के पास घग्गर नदी के पुल के ऊपर सीमेंट के बैरिकेड रखकर लोहे की कीलें बिछा दी गई हैं। इसके अलावा किसान घग्गर नदी के रास्ते ट्रैक्टर न निकाल लें, इसके लिए जेसीबी से पूरी नदी के किनारों को खोद दिया गया है। यहां पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है। किसानों ने हरियाणा में एंट्री के लिए शंभू के अलावा सिरसा के डबवाली और संगरूर से लगते खनौरी बॉर्डर को चुना है। सभी बॉर्डर सील किए जा चुके हैं। पंजाब से दिल्ली का रूट डायवर्ट किया गया अंबाला और पंजाब के पटियाला के बीच बॉर्डर बंद होने के बाद दिल्ली आने-जाने के लिए रूट डायवर्ट कर दिया गया है। पटियाला के डीसी शौकत अहमद ने बताया कि अंबाला पुलिस की चिट्ठी के बाद अंबाला से दिल्ली जाने के लिए यह 4 रूट तय किए गए हैं।

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा सरकार ने राज्य के 7 जिलों में 3 दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क स्स्र बंद कर दिया है। यह फैसला पंजाब और हरियाणा के किसानों के 13 फरवरी को दिल्ली कूच को देखते हुए लिया गया है।

पाबंदी का फैसला अंबाला, हिसार, कुरूक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद, डबवाली-सिरसा में लागू होगा। यह रोक 11 फरवरी की सुबह 6 बजे से 13 फरवरी की रात 11: 59 बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान ब्रॉडबैंड और लीज लाइन का इंटरनेट चलता रहेगा।

हरियाणा सरकार का कहना है कि सीआईडी के एडीजीपी ने रिपोर्ट दी है कि किसानों की तरफ से मार्च और प्रदर्शन की कॉल दी गई है। इससे तनाव, पब्लिक प्रॉपर्टी डैमेज और शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका है इसलिए इंटरनेट बैन का फैसला लिया गया है।

इसके अलावा अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, सोनीपत, झज्जर, रोहतक व पंचकूला में धारा-144 भी लगाई गई है। संयुक्त किसान मोर्चा , गैर राजनीतिक और किसान मजदूर मोर्चा समेत 26 किसान संगठनों ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया है।

पंजाब के 27 किसान संगठनों का ऐलान- धक्केशाही की तो हम भी दिल्ली कूच करेंगे

संयुक्त किसान मोर्चा के 13 फरवरी को दिल्ली कूच से पहले पंजाब के 27 किसान संगठनों ने हरियाणा सरकार को सीधा अल्टीमेटम दिया है।

भारतीय किसान यूनियन लक्खोवाल के सचिव हरिंदर सिंह लक्खोवाल ने कहा कि 13 फरवरी को दिल्ली कूच के दौरान किसानों से धक्केशाही करने की कोशिश की गई तो 16 फरवरी को 27 संगठन भी दिल्ली कूच कर जाएंगे। इस दौरान भारत बंद कराया जाएगा।

लक्खोवाल ने कहा कि 16 फरवरी की सुबह 12 से शाम 4 बजे तक ट्रैफिक रोका जाएगा। बसें बंद कराई जाएंगी।

रेलवे ट्रैक ठप किए जाएंगे और टोल प्लाजा फ्री करवाए जाएंगे। लोगों को होने वाली दिक्कतों के लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

हल्द्वानी हिंसा में पांच आरोपी अरेस्ट, इंटरनेट बंद

5 हजार लोगों पर केस दर्ज, 6 लोगों की मौत हुई थी

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हलद्वानी में 8 फरवरी को एक अवैध मदरसे और नमाज के लिए बनाई जा रही इमारत पर नगर निगम ने बुलडोजर चलाया था। इसके बाद हजारों लोगों की भीड़ ने पुलिस और निगम की टीम पर हमला कर दिया था। घटना के बाद हिंसा भड़क गई थी। जिसमें अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस ने पांच आरोपियों को अरेस्ट किया है।

हिंसा को 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया है। तीन दिन से बनभूलपुरा में कर्फ्यू भी लगा दिया है। हालांकि, बाहरी इलाकों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। शनिवार शाम को हल्द्वानी में

आंशिक रुप से बाजार भी खुला है। पुलिस ने ढांचा बनाने वाले अब्दुल मलिक की तलाश शुरू कर दी है।

प्रशासन ने कहा है कि जरूरी काम के बिना लोगों को घर से निकलने की मनाही है। फिर भी बाहर जाना पड़े तो सिटी मजिस्ट्रेट से परमिशन लेनी होगी। शहर भर में सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। मेडिकल और हॉस्पिटल खुले रहेंगे। इमरजेंसी सेवा जारी रहेगा। प्रशासन ने अब तक 5 हजार उपद्रवियों पर एफआईआर दर्ज की है।

70 हजार की आबादी घरों में कैद, दूध-सब्जी को तरसे लोग

हल्द्वानी के बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में मलिक के बगीचे और आसपास के करीब 2 किमी एरिया को पुलिस ने सील कर दिया है।

इस इलाके में कर्फ्यू लगा है और दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश हैं। ये पूरा मुस्लिम बहुल इलाका है। इस एरिया में करीब 70 हजार की आबादी रहती है।

हिंसा भड़कने के बाद से ही ये लोग घरों में कैद हैं। इस इलाके में प्रशासन की ओर से दूध, सब्जी और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की सप्लाई की भी कोई व्यवस्था अभी तक नहीं की गई है। इस इलाके में पुलिस के साथ ही अद्धसैनिक बल लगातार रूट मार्च कर रहे हैं।

देश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश का अनुमान

नयी दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को अगले तीन चार दिनों तक मध्य और पूर्वी भारत में हल्की बारिश होने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने एक बयान में कहा कि पश्चिमी तट के साथ पूर्वी हवाओं में निचले स्तर के ट्रफ प्रभाव और इसके पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना के कारण 10 से 13 फरवरी के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण उत्तर प्रदेश, दक्षिण बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा वाले इलाकों में भी 12-14 फरवरी को हल्की बारिश होगी।

यूपी लिफ्ट एक्ट पास, अब हादसों पर हर्जाने के साथ ही तय होगी जिम्मेदारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में लिफ्ट और एस्केलेटर के कारण बढ़ते हादसों पर अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। इस पहल के तहत शनिवार को दोनों सदनों में लिफ्ट एंड एस्केलेटर बिल चर्चा के बाद ध्वनि मत से पास हो गया।

इस बिल में लिफ्ट व एस्केलेटर का रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, हादसे के दौरान संबंधित अधिकारी को तुरंत सूचना देने, हादसे में पीड़ित व्यक्ति को क्षतिपूर्ति देने जैसे प्रावधान किए गए हैं।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने इस अधिनियम के नियम व शर्तों की जानकारी देते हुए सदन को बताया कि इस अधिनियम के दायरे में प्रदेश के सभी निजी और सार्वजनिक दोनों प्रकार के भवनों व परिसरों को लाया गया है। निजी उपयोग में लगवाई गई लिफ्ट में इस अधिनियम की कुछ शर्तों में से ढील दी गई है, लेकिन सार्वजनिक उपयोग में लगाई गई लिफ्ट व एस्केलेटर का रजिस्ट्रेशन, मेंटेनेंस, हादसे के दौरान संबंधित अधिकारी को तुरंत सूचना देने, हादसे में पीड़ित व्यक्ति को क्षतिपूर्ति देने जैसे प्रावधान किए गए हैं।

कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत औद्योगिक एरिया या परिसर में लगी लिफ्ट य एस्केलेटर पर इस अधिनियम की शर्तें लागू नहीं होगी, बाकी प्रदेश की सभी निजी व सार्वजनिक भवनों व परिसरों पर लगी लिफ्ट एवम् एस्केलेटर पर इस अधिनियम की शर्तें अनिवार्य रूप से प्रभावी होगी।

हादसों में आएगी कमी

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में बढ़ते शहरीकरण व नगरीकरण के कारण जरूरत के मुताबिक बहुमंजिला इमारते, व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाए जा रहे हैं। इन इमारतों का उपयोग करने के लिए लिफ्ट और एक्सलेटर की भी मांग बढ़ी है।

वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े लगभग 1.4 लाख मोबाइल फोन ब्लॉक

नयी दिल्ली। सरकार ने आज कहा कि वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े लगभग 1.4 लाख मोबाइल फोन को दूरसंचार विभाग ने ब्लॉक कर दिया है और इसके लिए बनाये गये पोर्टल के माध्यम से अप्रैल 2023 से 500 से अधिक लोग गिरफ्तार किये गये हैं तथा लगभग 3.08 लाख सिम, 50 हजार आईएमईआई ब्लॉक किए गए। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव डॉ. विवेक जोशी ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में साइबर सुरक्षा से संबंधित पिछली बैठक में चर्चा किए गए मुद्दों पर आगे की कार्रवाई के लिए आज यहां एक बैठक की जिसमें ये जानकारी दी गयी। बैठक में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), राजस्व विभाग (डीओआर), गृह मंत्रालय (एमएचए), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। दूरसंचार विभाग , भारतीय रिजर्व बैंक , भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (आधार), भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र , भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अधिकारियों ने भाग लिया।

छापेमारी टेरर फंडिंग मामले में एक्शन; तमिलनाडु में कार बम ब्लास्ट को लेकर 27 जगहों पर सर्चिंग

टेरर फंडिंग को लेकर जम्मू-कश्मीर में 10 जगहों पर एनआईए के छापे

श्रीनगर/कोयंबटूर। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर और तमिलनाडु में एक साथ कई जगहों पर छापेमारी की है। एनआईए ने दोनों जगह एक्शन अलग-अलग केस को लेकर लिया। दोनों ही मामले आतंकवाद से जुड़े हैं।

जम्मू कश्मीर में टेरर फंडिंग के मामले को लेकर एनआईए जमात-ए-इस्लामी संगठन से जुड़े लोगों और उनके 10 ठिकानों पर सर्चिंग कर रही है। यह छापेमारी बडगाम, कुलगाम और जम्मू जिले के गुज्जर नगर, शहीदी चौक, में चल रही है।

एजेंसी के मुताबिक एनआईए कुलगाम में जमात के पूर्व प्रमुख शेख

गुलाम हसन और एक अन्य नेता सयार अहमद रेशी के आवास पर गई है। ये दोनों नेता प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर से जुड़े हुए हैं। इस संगठन को फरवरी 2019 में गृह मंत्रालय ने टेरर फंडिंग के आरोपों के चलते बैन किया था।

उधर, तमिलनाडु में एनआईए 2022 में कोयंबटूर में हुए बम ब्लास्ट को लेकर राज्य के 27 जगहों पर छापेमारी कर रही है। इस ब्लास्ट में आतंकी संगठन आईएसआईएस का हाथ था। एनआईए के अधिकारी चेन्नई, त्रिची, मदुरै, तिरुनेलवेली और कोयंबटूर में एक साथ रेड मारने पहुंचे।

23 अक्टूबर 2022 को हुआ था ब्लास्ट, आतंकी मुबीन की मौत; 15 गिरफ्तार

23 अक्टूबर 2022 को कोयंबटूर में संगमेश्वर मंदिर के पास खड़ी कार में धमाका हुआ था। कार का मालिक जेमिशा मुबीन भी इसमें मारा गया था। धमाके के समय वह कार के अंदर ही था।

उसकी उम्र 29 साल थी और पेशे से इंजीनियर था। आईएसआईएस की विचारधारा ने मुबीन को कट्टरपंथी बना दिया था। हालांकि, उसकी ट्रेनिंग पूरी नहीं हुई थी इसलिए वह विस्फोटकों को संभाल नहीं सका। इस केस में अब तक 15 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, मुबीन की कार में धमाके के समय 2 एलपीजी सिलेंडर थे, इनमें से एक फटा था। अगर दूसरा भी फट जाता तो मंदिर और आस-पास के कई मकानों को नुकसान पहुंचता।

नई दिल्ली में आदि महोत्सव 2024 (राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव) के उद्घाटन के दौरान प्रदर्शन करते आदिवासी कलाकार।

राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन शनिवार को राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी।

सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में 'ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्रतिष्ठा' पर अल्पकालिक चर्चा समाप्त होने पर कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

बजट सत्र गत 31 जनवरी को शुरू हुआ था और यह नौ फरवरी को संपन्न होना था लेकिन अर्थव्यवस्था की स्थिति और राम मंदिर के विषय पर चर्चा कराने के लिए सत्र की अवधि एक दिन के लिए बढाई गयी जिससे

सत्र की अवधि एक दिन बढानी पड़ी और यह आज संपन्न हुआ।

धनखड़ ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले यह उच्च सदन का अंतिम सत्र था और यह छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण सत्र रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि भारत हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा पर है। देश अभी अमृतकाल से गुजर रहा है और सभी सदस्यों को इसमें अपना हर संभव योगदान देना है। इस दौरान नौ बैठकों में सदन में 116 राष्ट्रीय महत्व के विषय लाये गये और प्रश्नकाल के दौरान डेढ सौ के करीब प्रश्न पूछे गये । इस सत्र की उत्पादकता असाधारण रूप से 137 प्रतिशत रही। सत्र में सदस्यों ने 15 क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी बात रखी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और सामान्य बजट पर चर्चा के अलावा सदन ने सात महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित किये। सत्र में 22 निजी विधेयक भी पेश किये गये।

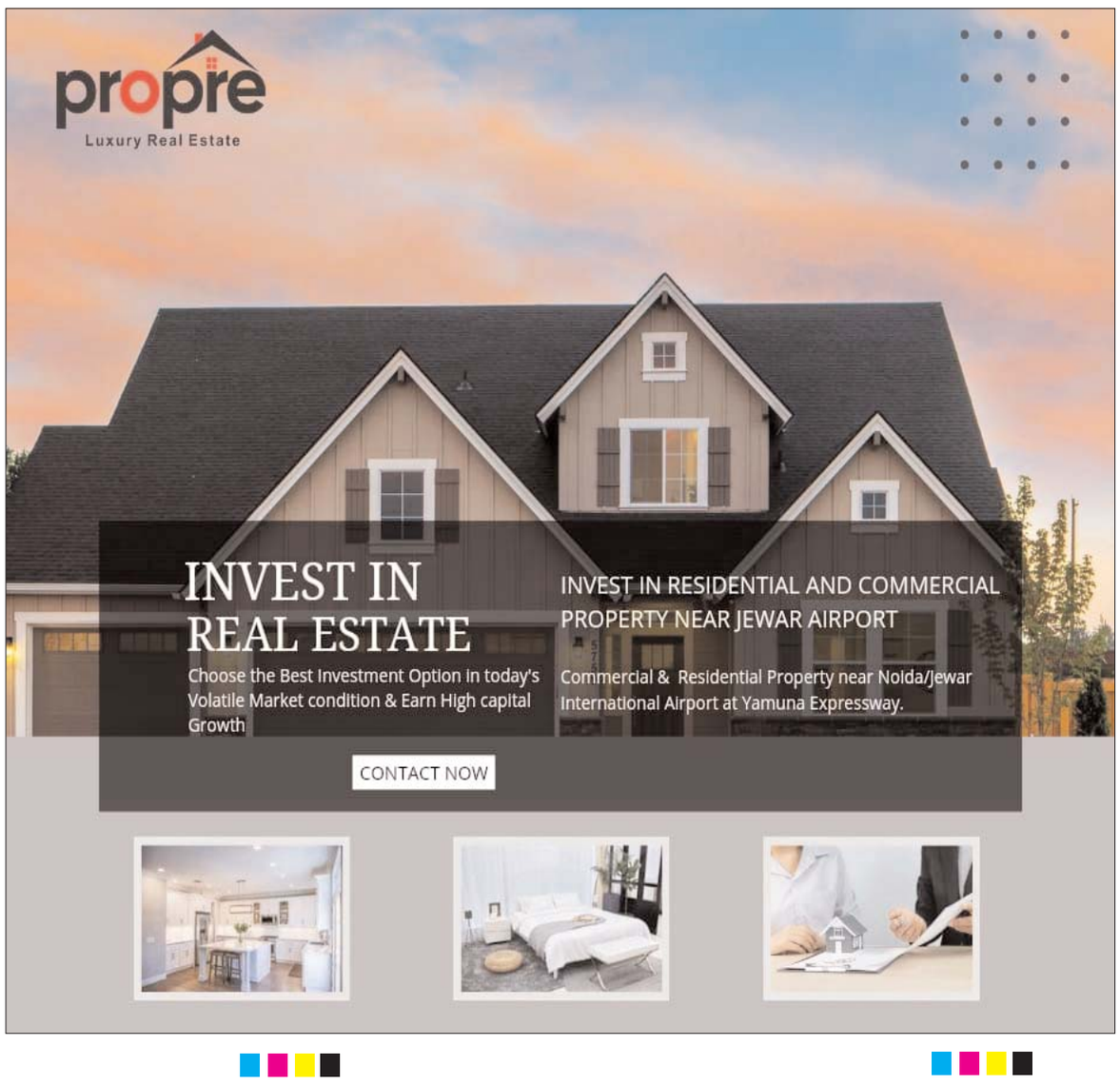

अपराध की बदलती प्रकृति

राजनीति की दुनिया में कब आपसी टकराव दुश्मनी की शक्ल ले ले या फिर आम लोगों को चौंकाते हुए सुलह सामने आ जाए, कहा नहीं जा सकता।

मुंबई में फेसबुक पर सीधे प्रसारण के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के एक पूर्व विधायक के बेटे की जिस तरह गोली मार कर हत्या कर दी गई, वह अपने आप में एक दहला देने वाली घटना है। इसमें हत्या करने वाले व्यवसायी ने खुद को भी गोली मार कर खुदकुशी कर ली। इसलिए यह मामला बेहद उलझ गया लगता है।

हालांकि शुरुआती जांच के मुताबिक दोनों में लंबे समय से निजी दुश्मनी थी और इसी प्रतिद्वंद्विता में उनके बीच पहले भी टकराव हो चुके थे, मगर वह एक-दूसरे के लिए परेशानी पैदा करने तक सीमित था। कुछ समय पहले दोनों के बीच सुलह हो गई थी और उन्होंने अपने इलाके के हित के लिए मिल कर काम करने की घोषणा की थी।

मगर ताजा घटना से यह साफ है कि पहले की दुश्मनी इस हद तक थी और उसकी जड़ें इतनी गहरी थीं कि फेसबुक पर बातचीत के सीधे प्रसारण के दौरान हत्या की यह त्रासद घटना हुई।

संभव है कि इस वाकये की जांच में कुछ प्रत्यक्ष कारणों से इतर कुछ और वजहें भी सामने आएं, मगर इतना साफ है कि मरने वाले दोनों लोगों के बीच संबंधों में जैसी तल्खी थी, उसका अंजाम कुछ भी हो सकता था।

हालांकि राजनीति की दुनिया में कब आपसी टकराव दुश्मनी की शक्ल ले ले या फिर आम लोगों को चौंकाते हुए सुलह सामने आ जाए, कहा नहीं जा सकता।

हाल ही में महाराष्ट्र के ही उल्हासनगर में एक भाजपा विधायक और उसके एक साथी ने जमीन विवाद की वजह से एकनाथ शिंदे के गुट वाले शिवसेना के एक नेता पर पुलिस थाने के भीतर गोलीबारी कर दी थी।

इस तरह की आपराधिक घटनाओं को अब जिस तरह बिना किसी हिचक के सार्वजनिक रूप से अंजाम दिया जा रहा है, उससे लगता है कि कानून-व्यवस्था का खौफ खत्म हो गया है।

सोशल मीडिया पर बातचीत के सीधे प्रसारण के दौरान हत्या की घटना यह बताती है कि जब दुश्मनी का रूप बेहद जटिल हो जाता है, तब शायद बहुत सोच-समझ कर ऐसा तरीका आजमाया जाता है, जो व्यापक पैमाने पर लोगों पर असर डाले।

अपराध की यह बदलती प्रकृति सरकार और पुलिस-प्रशासन के लिए एक चुनौती है कि इनसे कैसे निपटा जाए। मगर कानून का खौफ कायम कर अपराध की रोकथाम भी संभव है।

जल प्रदूषण के छोटे अपराध अब सिर्फ जुर्माना लगेगा

जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक 2024 संसद के दोनों सदनों में पारित,राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बनेगा

जल संशोधन विधेयक 2024 से प्रदूषण के खिलाफ संकल्प कमजोर होने की आशंका को रेखांकित करना जरूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में जल ही जीवन है की विचारधारा को गंभीरता से रेखंकित किया जा रहा है, जो कि न सिर्फ बढ़ते जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से मानवीय जीवन में अनिवार्य संसाधनों को भारी नुकसान पहुंच रहा है बल्कि इन संसाधनों में मानवीय के कारण भी बहुत विपरीत असर पड़ रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए हर देश में जल और पर्यावरण सहित प्रकृति के जुड़े हर मसले पर सैकड़ो कानून बने हुए हैं इसके संबंध में भारत में भी जल प्रदूषण की (रोकथाम और नियोजन) अधिनियम 1977 में पर्यावरण के अनेक नियम व नियम कानून बने हैं, परंतु, चूंकि दिनांक 8 फरवरी 2024 को लोकसभा में जल प्रदूषण (निवाकर निराकरण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक 2024 पर पारित किया गया है जिसे उच्च सदन राज्यसभा ने भी पहले ही 6 फरवरी 2024 को पारित कर लिया था। यह दोनों सदनों में पारित हो चुका है, जो राष्ट्रपति महोदय के हस्ताक्षर के बाद कानून बन जाएंगा। मेरा व्यक्तिगत तौर पर यह मानना है कि इस संशोधित विधेयक से जल प्रदूषण में छोटे अपराधियों को अब जेल की सजा नहीं होगी, उससे बाहर कर दिया गया है सिर्फ जुर्माना ही लगेगा।इस नई विचारधारा से नागरिक व्यवसाई और कंपनियां जिनकी तकनीकी या प्रक्रियात्मक चक के लिए बिना डर के कारण के काम करेगी जो कि प्रदूषण के खिलाफ संकल्प में बाधा उत्पन्न करने की संभावना को रेखांकित करता है, जिसपर पर्यावरण प्रेमियों की नजर है, अब जरूरत है इसे नियमित करने के लिए एक सख्त नियमावली बनाई जाए ताकि पर्यावरण व जल प्रदूषण के प्रति इनमें डर बना रहे क्योंकि जल संशोधन विधेयक 2024 में जल प्रदूषण के छोटे अपराधों को जेल से मुक्त रखा है। व केवल जुर्माना किया गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, जल संशोधन विधेयक 2024 से प्रदूषण के खिलाफ संकल्प कमजोर होने की आशंका को रेखांकित किया करना बहुत जरूरी है।

साथियों बात अगर हम जल संशोधन विधेयक 2024 की करें तो, पहले 6 को राज्यसभा में फिर आज 8 फरवरी 2024को संसदमें बृहस्पतिवार को जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक 2024 को मंजूरी दी, जिसमें जल प्रदूषण से संबंधित छोटे अपराधों को जेल की सजा की श्रेणी से बाहर करने, केंद्र को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अध्यक्षों की सेवा शर्तों को निर्धारित करने में सक्षम बनाने और औद्योगिक संयंत्रों की कुछ श्रेणियों को वैधानिक प्रतिबंधों से छूट देने का प्रावधान किया गया है।लोकसभा में आज विधेयक पर चर्चा और पर्यावरण मंत्री के जवाब के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। गत छह फरवरी को इसे राज्यसभा में पारित किया गया था। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए पर्यावरण मंत्री ने कहा कि राज्यों के प्रदूषण बोर्डों को किसी तरह का निर्देश नहीं दिया जा रहा है,

बल्कि सिर्फ कुछ नियम तय किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पारदर्शिता और आम लोगों की सहायता करने वाले दिशानिर्देश ही जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिर्फ हरित उद्योगों को इस कानून से छूट होगी, लेकिन वह नियमों के तहत होगीस्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण को लेकर चेतना एवं जागरुकता फैलाने की जरूरत है सरकार नमामि गंगे परियोजना को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी को मिलकर इस परियोजना को एक जन आंदोलन बनाना चाहिए। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया। पर्यावरण,मंत्री ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन जीने में आसानी और व्यापार करने में आसानी में सामंजस्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक के प्रावधानों से जल प्रदूषण से संबंधित विभिन्न मुद्दों से निपटने में अधिक पारदर्शिता आएगी। विधेयक जल(प्रदूषणकीरोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974 में संशोधन करेगा।यह अधिनियम जल प्रदूषण को रोकने और नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्थापना करता है। विधेयक कई उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करता है और जुर्माना लगाता है। यह शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और केंद्रशासित प्रदेशों पर लागू होगा।अधिनियम के अन?तर्गत राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाता है। विधेयक के प्रावधान के अनुसार, केंद्र सरकार अध्यक्ष के नामांकन के तरीके और सेवा की शर्तों को निर्धारित करेगी। विधेयक जल निकायों में प्रदूषणकारी पदार्थों के निर्वहन से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दस हजार रुपये से 15 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाता है।पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बदलाव लाए गए हैं।

साथियों बात अगर हम हम जल प्रदूषण के छोटे अपराधों को जेल शैली से हटाने की करें तो, जल प्रदूषण से संबंधित छोटे अपराधों में अब जेल की सजा नहीं होगी। राज्यसभा ने इससे संबंधित जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने विधेयक पर चर्चा के जवाब में संशोधनों से प्रदूषण के खिलाफ संकल्प कमजोर होने की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि पुराने कानून में सामान्य नियमों के उल्लंघन पर सजा का प्रावधान था और कुछ उल्लंघन अनजाने में हो जाते थे। इसे देखते हुए नए विधेयक में कैद की जगह जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में आपराधिक प्रावधानों को तर्कसंगत बनाने और यह सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है कि नागरिक, व्यवसाय और कंपनियां मामूली,तकनीकी या प्रक्रियात्मक चूक के लिए कारावास की सजा के डर के बिना काम करें।विधेयक में फैसला करने वाली इकाई का और उसके फैसले से संतुष्ट न होने की स्थिति में अपीलीय अथॉरिटी के रूप में एनजीटी यानी राष्ट्रीय हरित अधिकरण में याचिका दी जा सकती हैदरअसल अपराध की प्रकृति के अनुरूप ही दंड का प्रावधान होगा। संशोधन विधेयक में नियमों के उल्लंघन पर प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माने का प्रावधान है। इस राशि से एक विशेष कोष बनेगा, जिसकाप्रयोग जल संरक्षण के लिए होगा। इसकी 75 फीसदी रकम राज्यों को दी जाएगी। इसके अलावा कई उल्लंघनों को आपराधिक श्रेणियों से हटाकर उसमें जुर्माने का प्रावधान किया गया है।राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बिना अनुमति उद्योग स्थापित करने और संचालित करने पर छह साल की कैद और जुर्माने का प्रावधान है। जुर्माना 10 हजार रुपये से लेकर 15 लाख रुपये तक हो सकता है।विपक्ष ने कहा है कि उद्योगों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके इस्तेमाल में आ रहे पानी से प्रदूषण न फैले। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने विधेयक में खनन जैसे विषय को लेकर स्थितियां स्पष्ट न होने के मुद्दे को उठाया। जल राज्य का विषय है, मिशन के तहत परिकल्पित विभिन्न निगरानी व्यवस्थाओं के माध्यम से रिपोर्ट किए गए आंकड़ों और जमीनी हकीकत में यदि कोई विसंगतियां पाई जाती हैं, तो उन्हें अपेक्षित तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों के साथ उठाया जाता है।

साथियों बात अगर हम इस अधिनियम के उद्देश्यों की करें तो अधिनियम में जल प्रदूषण को रोकने और नियंत्रित करने के लिए केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रावधान है।

नए बदलावअपराधमुक्तीकरण: छोटे मोटे अपराधों को अपराधमुक्त करना, निरंतर उल्लंघनों के लिए कारावास के स्थान पर आर्थिक दंड देना। नामित अधिकारी, जो भारत सरकार के संयुक्त सचिव या राज्य सरकार के सचिव के पद से नीचे के नहीं होंगे, दंड के निर्णय की निगरानी करेंगे।आवेदन करने वाले राज्य?यह शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू होगा। केंद्र सरकार अध्यक्ष के नामांकन के तरीके और सेवा की शर्तों को निर्धारित करेगी। अधिनियम के तहत, राज्य सरकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष को नामित करती है।जुर्माना- विधेयक जल निकायों में प्रदूषणकारी पदार्थों के निर्वहन से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दस हजार रुपये से 15 लाख रुपये के बीच जुर्माना लगाता है।ये बदलाव औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए लाए गए हैं।विधेयक नए आउटलेट, डिस्चार्ज और सीवेज निपटान से संबंधित नियमों का पालन न करने पर सख्त दंड लगाता है। एकत्र किए गए जुर्माने को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 के तहत स्थापित पर्यावरण संरक्षण कोष के लिए नामित किया गया है। इस अधिनियम में 1988 में संशोधन किया गया।था।जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकरअधिनियम 1977 में अधिनियमित किया गया था, ताकि कुछ प्रकार की औद्योगिक गतिविधियों को संचालित करने वाले और संचालित करने वाले व्यक्तियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पानी पर उपकर लगाने और संग्रह करने का प्रावधान किया जा सके।यह उपकर जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम,1974 के तहत गठित जल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए केंद्रीय बोर्ड और राज्य बोर्डों के संसाधनों को बढ़ाने की दृष्टि से एकत्र किया गया है। अधिनियम को आखिरी बार 2003 में संशोधित किया गया था। अत: अगर हम अपरूप पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जल प्रदूषण के छोटे अपराध अब जेल की सजा की श्रेणी से बाहर हुए, सिर्फ जुर्माना लगेगा।जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक 2024 संसद के दोनों सदनों में पारित,राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से कानून बनेगा।

टाईम पास

सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर सवालिया निशान

पिछले वर्ष भी हल्द्वानी में वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने की कोशिश में जिस तरह हिंसा भड़क उठी और बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के घायल होने तथा हिंसा पर उतारू भीड़ पर गोली चलाने से चार लोगों के मारे जाने की खबर आई, उससे अतिक्रमण रोकने के सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान लगा है।

गौरतलब है कि हल्द्वानी के एक इलाके में सरकारी भूखंड पर कथित रूप से कब्जा कर मजार और मदरसा बना लिया गया था। उसे हटाने के लिए पुलिस और नगर निगम के कर्मचारी वहां पहुंचे तो स्थानीय लोग उग्र हो उठे और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। अब स्थिति यह है कि पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहां स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

इस बात की जांच होनी चाहिए कि भीड़ के उग्र और हिंसक होने के पीछे क्या कोई साजिश है! इसी तरह पिछले वर्ष जनवरी में भी हल्द्वानी के ही एक इलाके में रेलवे की जमीन पर कब्जा कर बसी एक बस्ती को हटाने का अभियान चलाया गया था। तब भी खासा हंगामा हुआ।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उस मामले को मानवीय करार देते हुए अदालत ने बेदखली पर रोक लगा दी थी। हल्द्वानी में और भी ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों ने अतिक्रमण कर बस्तियां या मकान-दुकान बना ली है।

पिछले वर्ष भी वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी। उन पर लोग घर बना कर रह रहे हैं। उनमें से ज्यादातर स्थानीय निवासी नहीं हैं। वे वहां मजदूरी वगैरह करने के लिए गए थे।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी भूखंड पर किसी को अवैध रूप से कब्जा कर रिहाइश या कोई कारोबारी भवन बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि प्रशासन और सरकार को तभी ऐसी जगहों को खाली कराने की सुध क्यों आती है, जब लोग वहां बस्तियां बसा चुके होते हैं।

देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां अवैध रूप से कायम की गई बस्तियां आबाद न हों। ये बस्तियां कोई एक दिन में या रोतोंरात तो बस नहीं जातीं। कहीं-कहीं तो लोग दावे करते हैं कि वे पचास-पचास वर्ष से रह रहे हैं।

सरकारी भूखंडों पर कब्जे की प्रवृत्ति पुरानी और उजागर है। इसके पीछे सक्रिय लोग भी करीब-करीब पहचाने हुए होते हैं। सरकारी अमले और भूमाफिया के बीच गठजोड़ के जरिए अतिक्रमण कराया जाता है। फरीदाबाद के वनक्षेत्र में वर्षों से आबाद हजारों लोगों की बस्ती को भी इसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हटाना पड़ा था।

ऐसे मामलों में ठगे और मारे जाते हैं, वे गरीब लोग, जिन्हें धोखे में रख कर भूमाफिया कम कीमत पर जमीन बेच देते हैं। यही नहीं, कई जगह तो बस्तियां बसने के बाद उनमें बिजली-पानी की सुविधाएं भी सरकारी विभागों द्वारा उपलब्ध करा दी जाती हैं। लोग राशन कार्ड, आधार पहचान-पत्र जैसे दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं। तब प्रशासन को यह जरूरी क्यों नहीं लगता कि वह वहां बस रहे लोगों को रोके। किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया ही जाना चाहिए, मगर उसका तरीका कानूनी होना चाहिए, ताकि हिंसा की नौबत न आने पाए।

काकुरो पहेली - 3091

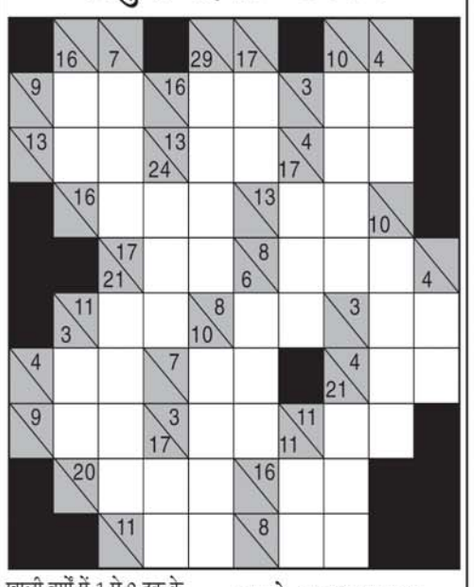

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर. नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

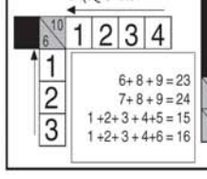

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3090 का हल

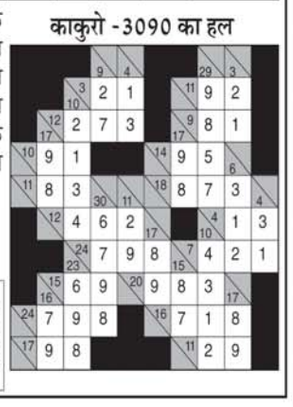

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.'यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली - 3091

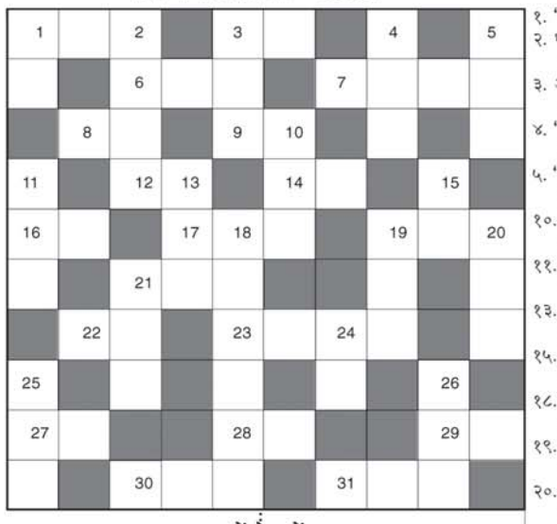

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पक्षवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 3090

सूडोकु -3091

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3090 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3091

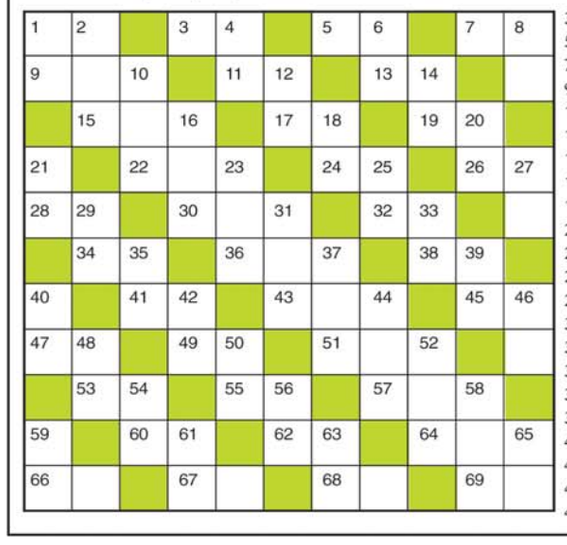

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बडी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बडी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -3090 का हल

किसानों ने किया जुलूस का ऐलान

12 दिनों से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर दे रहे हैं धरना

गौतम बुद्ध नगर। अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। पिछले 12 दिनों से किसान प्राधिकरण के पास ही धरने पर बैठे हुए हैं ।शनिवार को किसानों ने एक बैठक करते हुए ऐलान किया कि 16 फरवरी को ग्रेटर नोएडा में किसान जुलूस निकालेंगे। जिसमें सैकड़ों किसान शामिल होंगे।

अखिल भारतीय किसान सभा का आज लगातार धरने का 12वां दिन रहा। सैकड़ों की संख्या में धरने में लोग शामिल रहे। धरने की अध्यक्षता भीम सिंह प्रधान खोदना खुर्द ने की। धरने का संचालन जगबीर नंबरदार ने किया। 16 फरवरी को किसान हजारों की संख्या में 10त्न आबादी प्लाट सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर जुलूस निकालेंगे। 12 फरवरी को ऐछर गांव में चल रहे किसानों के धरने में बड़ी संख्या में शामिल होने का प्रस्ताव भी पास किया गया।

किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने संबोधित करते हुए कहा कि 8 फरवरी को किसान आंदोलन ऐतिहासिक रहा। पुलिस के भारी दमन के बावजूद किसान सभा के हजारों कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के दबाव में पुलिस कमिश्नर ने वार्ता का प्रस्ताव रखा। जिसमें तीनों प्राधिकरणों के सीईओ मौजूद नहीं थे। जबकि उनके बिना इस मुद्दे का हल किया जाना संभव नहीं है।

हर हाल में मुद्दों को हल करके ही दम लेंगे

आंदोलन के साथियों ने प्रशासन के गैर गंभीर रवैया का विरोध किया। मांग की कि सभी प्राधिकरणों के अधिकारियों को शामिल करके वार्ता रखी गई। पुलिस कमिश्नर में इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए जल्दी ही वार्ता करने का आश्वासन दिया। परंतु हाई पावर कमेटी के गठन के संबंध में कोई ठोस बात नहीं कही। इस तरह वार्ता बेनतीजा रही। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि किसान सभा के साथी पूरी शिद्दत के साथ अपने मुद्दों को लेकर गंभीर हैं। मातृ शक्ति बड़ी संख्या में रोज धरने में शामिल हो रही है। हर हाल में मुद्दों को हल करके ही दम लेंगे।

एमिटी यूनिवर्सिटी के बाहर मारपीट का वीडियो वायरल

नोएडा। नोएडा सेक्टर-126 स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के बाहर स्टूडेंट्स के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। वहां खड़े अन्य स्टूडेंट्स ने इसका एक वीडियो बनाया। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर सेक्टर-126 थाना पुलिस मारपीट करने वाले स्टूडेंट्स को पकड़ने का प्रयास कर रही है। बता दे यूनिवर्सिटी के बाहर मारपीट के पहले भी कई वीडियो वायरल हो चुके है।

वायरल वीडियो 55 सेकेंड का है। जिसमें कई स्टूडेंट्स एक दूसरे के साथ मारपीट कर रहे है। बताया गया कि दो गुटों के आपसी झगड़ा था जिनमें पहले बहस बाजी हुई इसके बाद मारपीट शुरू हो गई। इन स्टूडेंट्स ने पूरी सड़क को ही घेर लिया यहां एक दूसरे पर जमकर लात घूसे चलाते दिखे। हालांकि वायरल किया गया वीडियो एडिट करके बनाया गया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस को टैग करके कार्यवाही की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

बताते चले यहां इस तरह के झगड़े न हो इसके लिए पुलिस ने हाल ही में यहां अवैध रूप से बने बाजार और सड़क किनारे वाहनों को सीज किया था। साथ ही यहां पे ट्रोलिंग को भी बढ़ाने का दावा किया गया था। लेकिन इस तरह से सड़क पर आए दिन मारपीट के मामले सामने आ रहे है। पुलिस ने यहां दोबारा से पे-ट्रोलिंग बढ़ाते हुए आसपास के लोगों से स्टूडेंट के बारे में जानकारी जुटा रही है।

लिंक प्रोजेक्ट के एप्रोच रोड का हुआ भूमि पूजन

नोएडा एक्सप्रेस वे को एलजी चौक से सीधे जोड़ेगा

नोएडा । नोएडा और ग्रेटरनोएडा दोनों शहरों को जोड़ने के लिए बनाई जा रहे लिंक रोड की एप्रोच रोड के निर्माण के लिए आज भूमि पूजन किया गया। ये एप्रोज रोड हिंडन पुल से नोएडा एक्सप्रेस वे की 45 मीटर सर्विस रोड तक करीब 623 मीटर की बननी है। निर्माण कंपनी इसका काम शुरू कर दिया है। इसके बनने के बाद ग्रेटरनोएडा के एलजी चौक से एक्सप्रेस वे तक की दूरी महज 5 मिनट में पूरी की जा सकेगी। पहले ये दूरी तय करने में 16 किमी अतिरिक्त चलना पड़ता था। प्रोजेक्ट पर 147 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। एलजी चौक से एक्सप्रेस वे तक ये लिंक 2090 मीटर लंबा है। इसे 60 मीटर चौड़ा बनाया जा रहा है। इस लिंक रोड पर एक पुल हिंडन नदी पर सेतु निगम ने बनाया है। ये पुल नोएडा और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण की सहभागिता से बनाया गया है। ग्रेटरनोएडा की एप्रोच रोड ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण और नोएडा की नोएडा प्राधिकरण बना रहा है। नोएडा प्राधिकरण का एरिया करीब 1020 मीटर का है। इसमें एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड 45 मीटर चौड़ी को नोएडा की 623 मीटर लंबी एप्रोच रोड जोड़ेगी। जिसके लिए भूमि पूजन किया गया। सेतु की लंबाई 210 मीटर है। इसके बनाने में करीब 6240 लाख रुपए खर्च किए जा रहे है। इस परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने 25 जनवरी 2019 में किया था।

ग्रेटर-नोएडा में रवि काना की 120 करोड़ की संपत्ति कुर्क

अभी भी फरार चल रहा है रवि काना, न्यायालय के आदेश पर हुई कार्रवाई

गौतम बुद्ध नगर। पुलिस अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ उनको आर्थिक रूप से कमर तोड़ने के लिए अपराधियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त न्यायालय गौतम बुद्ध नगर द्वारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए स्क्रैप माफिया और गैंग लीडर रवि नागर उर्फ़ रवि काना और गैंग के सदस्य राजकुमार की अवैध रूप से अर्जित की गई चल और अचल संपत्ति को कुर्क किया गया।

इस दौरान इनकी करीब 120,55,80,743 रुपए की संपत्ति को गौतम बुद्ध नगर पुलिस आयुक्त न्यायालय के आदेश पर कुर्क किया गया है । इस सम्पति में वाहन, जमीन के साथ ही विभिन्न बैंकों के खातों में जमा राशि शामिल है।

गैंग के अन्य सदस्यों की संपत्ति भी जल्द की जा सकती है कुर्क

रवि काना के खिलाफ विभिन्न कोतवाली में 8 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि गैंग के 16 सदस्यों के खिलाफ भी मुकदमे दर्ज किए गए थे और गैंग के नौ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था।

रवि काना, उसकी पत्नी मधु, रवि की महिला मित्र काजल सहित अन्य आरोपित फरार हो गए थे। उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। गैंग के अन्य सदस्यों की संपत्ति भी जल्द कुर्क की जा सकती है।

गैंग के कुल 16 सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा की बीटा दो कोतवाली में गैंगस्टर एक्ट में भी मुकदमा दर्ज कराया गया था। गैंग के कुल 16 सदस्यों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने वाहनों को जब्त कर विभिन्न संपत्तियों को सील कर दिया था। जब्त वाहनों व सील संपत्तियों को कुर्क करने की कार्यवाही की जा रही थी। पुलिस आयुक्त न्यायालय ने शुक्रवार को संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश पारित कर दिया।

जिसके बाद शनिवार को बीटा 2 थाना पुलिस ,नॉलेज पार्क थाना पुलिस द्वारा कार्रवाई कर उसकी सम्पत्ति को कुर्क किया गया। इस दौरान उसके निजी और व्यावसायिक 11 वाहन, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, एसबीआई, यूनियन बैंक में जमा संपत्ति कुर्क कर ली गई है। अचल संपत्ति के रूप में सिकंदराबाद, सूरजपुर, ईकोटेक 12 में भूखंड व चाइ पांच सेक्टर में एक फ्लैट कुर्क किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि चल अचल संपत्ति की कुल कीमत लगभग 120,55,80743 रुपये है।

ग्रेटर नोएडा की डीसीपी साद मिया खान ने बताया कि पुलिस आयुक्त न्यायालय गौतम बुद्ध नगर द्वारा गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए गैंग लीडर रवि काना के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस दौरान 120 करोड़ रुपए से ज्यादा की उसकी संपत्ति को कुर्क किया गया है।

पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त जावेद पुत्र युसूफ निवासी पीर वाली गली मौहल्ला व्यापारियान खटीकान थाना मुरादनगर जिला गाजियाबाद को मुठभेड़ के उपरांत चौकी क्षेत्र सैथली दयानगर पुलिया से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्तों के

कब्जे से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल स्पैलण्डर प्लस और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है ।गौरतलब है कि चौकी क्षेत्र सैथली दयानगर पुलिया पर पुलिस चैकिंग के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान उपरोक्त अभियुक्त को घायल अवस्था में दयानगर से तेल मिल जाने वाले रास्ते पर बीच में सैथली को जाने वाले खंडजे के पास से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त द्वारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गयी थी। जिसमें पुलिस पार्टी द्वारा की गयी जवाबी फायरिंग में अभियुक्त के पैर में गोली लगने के कारण घायल हो गया।

अभियुक्त के विरूद्ध एनसीआर क्षेत्र में लगभग आधे दर्जन से अधिक अभियोग पंजीकृत है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

200 करोड़ जमा करने पर जेपी एसोसिएट का आवंटन हो जाएगा बहाल

ग्रेटर नेाएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) स्पोर्ट्स सिटी परियोजना में जेपी एसोसिएशन को राहत देने के लिए तैयार है। इसके लिए कंपनी को बकाया राशि में से 200 करोड़ रुपये जमा कराने होंगे। इसके बाद ही निरस्त की गई परियोजना को बहाल किया जाएगा। वहीं अमिताभ कांत कमेटी की सिफारिशों का लाभ हासिल करने के लिए कंपनी को कुल बकाये का 25 फीसदी (करीब 250 करोड़) जमा करना होगा। इसके बाद ही योजना से जुड़े 9000 आवंटियों की रजिस्ट्री का रास्ता खुलेगा। अहम है कि कंपनी पर करीब 1000 करोड़ का बकाया है।

शुक्रवार को जेपी एसोसिएट्स को लोन देने वाले एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक एवं आईडीआरसीएल का प्रतिनिधिमंडल यीडा के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह से मिला। बैंक अधिकारियों परियोजना की स्थिति और अपना पैसा हासिल करने के उपायों पर चर्चा कर रहे थे।

हैंडओवर की मांग को लेकर निवासियों ने किया हंगामा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित व्हाइट आर्किड सोसाइटी को हैंडओवर की मांग को लेकर निवासियों ने बृहस्पतिवार देर रात बिल्डर के खिलाफ हंगामा किया। लोगों ने बिल्डर प्रबंधन पर बाउंसर बुलाकर महिलाओं से अभद्रता करने का आरोप लगाया है। निवासी अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) को सोसाइटी सौंपने की जिद्द पर अड़े हैं, जबकि बिल्डर एओए को यह अधिकार देने से इन्कार कर रहा है। हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। निवासियों ने बताया कि वह काफी समय से बिल्डर से सोसाइटी के हैंडओवर की मांग की जा रही है। बिल्डर निवासियों को जरूरी सुविधाएं नहीं दे रहा है और मनमाना शुल्क वसूल रहा है। अक्तूबर-2023 में एओए का गठन किया। आरोप है कि निवासियों पर दबाव बनाने के लिए कई बार बिजली-पानी भी बाधित की गई। विरोध में चार फरवरी को एओए ने आम सभा की बैठक बुलाई। जिसमें निवासियों ने सोसाइटी का हैंडओवर लेने का फैसला लिया। अधिकांश परिवारों ने रखरखाव शुल्क बिल्डर के बजाय एओए के खाते में जमा कर दिया।

लोगों का आरोप है कि बिल्डर ने गेट पर बाउंसर लगा दिए। एओए के खाते में पैसा जमा करने वाले निवासियों के फ्लैट पर जाने से डिलीवरी बॉय पर रोक लगा दी और मेहमानों को भी गेट पर रोका जाने लगा। इस मामले में बिसरख कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच आपस में विवाद चल रहा है। अभी किसी ने कोई शिकायत पुलिस से नहीं की है।

हिंडन पुल के जरिये नोएडा से ग्रेनो को जोड़ने के लिए सड़क का काम शुरू

नोएडा। हिंडन पुल के जरिए नोएडा को ग्रेनो से जोड़ने के लिए सड़क बनाने का काम शनिवार से शुरू हो गया। यह नई कनेक्टिविटी नोएडा के सेक्टर-146 के सामने से शुरू होकर ग्रेनो के एलजी गोलचक्कर तक होगी। यह सड़क बनने में करीब एक साल का समय लगेगा। इसके बनने से नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर वाहनों के दबाव में कमी आएगी। इसके अलावा कलेक्ट्रेट, एलजी गोलचक्कर की ओर आने-जाने वालों को लंबा चक्कर भी नहीं काटना पड़ेगा ।शनिवार को हुए भूमि पूजन के मौके पर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-10 के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह, जूनियर इंजीनियर सिद्धार्थ नागर समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-146 के सामने हिंडन पुल से नोएडा को जोड़ने के लिए करीब 800 मीटर लंबी एप्रोच रोड बनाई जाएगी।

सड़क पर उतरे प्राधिकरण के सीईओ

अंडर पास , ड्रेन का किया निरीक्षण; सीवेज पानी नाले में डालने पर सोसाइटी को नोटिस

नोएडा। नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने अधिकारियों के साथ अंडर पास , नाला और सड़कों का अचानक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में सिविल विभाग के उप महाप्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक मौजूद रहे। सीईओ ने सेक्टर-37 अंडर पास , सेक्टर-40, 41 के मार्ग और सेक्टर-100 का निरीक्षण किया। यहां पाया गया कि अंडर पास में पेंट हट गया है। इसको दोबारा कराने के लिए कहा गया है। अंडर पास में रोशनी के लिए फसाद लाइट लगाने के लिए कहा गया।

वहीं अंडर पास के दीवारों पर लगे पेड़ हो छांटने के कहा गया। इसके बाद सीईओ सेक्टर-40 व 41 के मध्य रास्ता पर स्थित ड्रेन का निरीक्षण किया गया। यहां नाले को कवर करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेक्टर-40 की कल्वर्ट को 200 मीटर लंबाई में 15 मीटर चौड़ाई में बनाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सेक्टर-100 का निरीक्षण किया गया। यहां निर्माणाधीन नाले का निर्माण तत्काल कराने के लिए कहा गया। निरीक्षण में पाया गया कि सीवेज ये संबंधी दुर्गंध आ रही थी। ये बदबू सोसाइटी द्वारा नाले में डिस्चार्ज किए जाने के लिए कारण हो रहा था। सोसाइटी को नोटिस जारी किया जाए।

शार्ट न्यूज

आग लगने से गिरी शोरूम की बिल्डिंग

गाजियाबाद। गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में शुक्रवार रात इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि पूरी सिंगल फ्लोर बिल्डिंग गिर गई और सारा सामान मलबे में दब गया। फायर फाइटर्स ने रात में करीब एक घंटा मशक्कत कर आग बुझाई। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई और आसपास के मकानों-दुकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। अग्निकांड में कई लाख रुपए के सामान का नुकसान हुआ है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया, शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे फायर स्टेशन वैशाली पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खोड़ा कॉलोनी के लोकप्रिय विहार स्थित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लगने की सूचना मिली। तुरंत वैशाली और साहिबाबाद से चार फायर टेंडर रवाना किए गए। फायर फाइटर्स ने घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग की लपटें फैल चुकी थीं। काला धुआं तेजी से निकल रहा था और आग लगातार बढ़ती जा रही थी। फायर यूनिट ने दो तरफ से होज लाइन फैलाकर फायर फाइटिंग शुरू की। भीषण तपिश की वजह से शोरूम की बिल्डिंग नीचे गिर चुकी थी। तेज धुएं की वजह से फायर फाइटर्स को आग बुझाने में काफी परेशानी हो रही थी।

ईख के खेत में मिले शव की हुई शिनाख्त

मोदीनगर। मोदीनगर के गांव सिखेड़ा हजारी में ईख के खेत में मिले शव की शिनाख्त गांव पैंगा निवासी हिस्ट्रीशीटर बदमाश विपिन कुमार के रुप में हुई है। परिजनों ने दोस्तों पर ही हत्या कर शव को जलाने का आरोप लगाते हुए निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। परिजनों ने निवाड़ी थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग को लेकर जमकर हंगामा भी किया। गांव सिखेड़ा हजारी में गुरुवार सुबह ईख के खेत में एक युवक का अधजला शव बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरु कर दिए। डीसीपी ग्रामीण व एसीपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरुरी दिशा निर्देश दिए है। बताया जा रहा है कि शव की शिनाख्त गांव पैंगा निवासी वीरपाल सिंह के 29 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार उर्फ टोनू के रुप में हुई है। विपिन कुमार के परिवार में उनकी पत्नी कल्पा ,12 साल की पुत्री तनवी ,पुत्र गणेश ,कार्तिक है। वह मुरादनगर में मजदूरी करके परिवार का लालन पालन करते थे। मृतक के पिता वीरपाल सिंह ने बताया कि छह फरवरी को विपिन गांव के ही दो युवकों के साथ गांव सौंदा एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था।

तहसील में कार्यरत कनिष्ठ सहायक चार दिन से लापता, अपहरण का केस दर्ज

गाजियाबाद। कविनगर के शताब्दीपुरम के रहने वाले तहसील में कार्यरत कनिष्ठ सहायक विजेंद्र कुमार पांच फरवरी से लापता हैं। विजेंद्र परिवार के लोगों को काम से दिल्ली जाने की बात कहकर गए थे लेकिन वापस नहीं लौटे। मामले में विजेंद्र कुमार के बेटे कमलकांत ने कविनगर थाने में पिता के घर से जाने की बात कहकर अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कराया है। कमलकांत ने बताया कि उनके पिता पांच फरवरी को घर से कार्यालय गए थे। शाम को उन्होंने किसी अनजान नंबर से कॉल कर बताया था कि वह काम से दिल्ली जा रहे हैं। देर रात तक वह वापस नहीं लौटे। उनका नंबर स्विच ऑफ था। अगले दिन भी घर नहीं लौटे। उनके भाई पिता के कार्यालय भी गए वह वहां भी नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। उनका कहना है कि बृहस्पतिवार रात को पिता की फिर से अनजान नंबर से कॉल आई और रात को घर आने की बात कही। इसके बाद फिर उनके खुद के नंबर से कॉल आई और कहा कि वह रात को नहीं आएंगे सुबह आएंगे।

पूर्व चेयरमैन के बेटे पर जमीन कब्जाने का आरोप

मोदीनगर। मोदीनगर में हरियाणा डिस्टलरी लिमिटेड की ओर से नगर पालिका परिषद के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता राम आसरे शर्मा के पुत्र मयंक शर्मा के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने से संबंधित रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोप है कि विरोध करने पर झगड़ा किया जाता है। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। हरियाणा डिस्टलरी लिमिटेड के प्रबंधक तरुण कुमार के अनुसार, हरियाणा डिस्टलरी लिमिटेड को कोर्ट के आदेशानुसार मोदी कपड़ा मिल परिसर में नक्शे के मुताबिक रास्ते के लिए कुछ भूमि प्राप्त हुई है। आरोप है कि कंपनी की 1150 वर्गगज भूमि पर मयंक शर्मा निवासी सीलाइन ने दबंगई दिखाते हुए कब्जा किया हुआ है। विरोध करने पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर गाली-गलौज की और झगड़ा करने का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त कंपनी द्वारा लगाया गया गेट पर जबरदस्ती तोड़ दिया। गेट के टूटने के बाद महिला छात्रावास की सुरक्षा को खतरा बना है। पुलिस का कहना है कि कंपनी के प्रबंधक ने सीपी से इस बावत शिकायत की थी। जिसके आधार पर मयंक शर्मा सहित उसके पांच अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

रास्ते से बाइक हटाने के विवाद में फायरिंग

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र में रास्ते में खड़ी बाइक हटाने को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक व्यक्ति ने अधिवक्ता पर गोली चला दी। इस हादसे में अधिवक्ता बाल-बाल बचे। इसके बाद आरोपी जान मारने की धमकी देकर भाग गया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की ।इस्माइल नगर निवासी अधिवक्ता ललित कुमार ने पुलिस को बताया कि वह जेवर सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। वह बाइक से घर आ रहे थे। भीखनपुर गांव की पुलिया के पास बीच रास्ते में एक युवक अपनी बाइक को रास्ते में खड़ी करके बैठा था। अधिवक्ता ने बाइक हटाकर रास्ता देने को कहा तो आरोपी ने कहा कि वह जहां खड़ा हो जाता है, वहां तिनका भी नहीं हिल सकता। रास्ता देने को लेकर वह अधिवक्ता से भिड़ गया। कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने तमंचा निकाल लिया और अधिवक्ता पर फायर कर दिया। इसके बाद वह मौक से फरार हो गया। अधिवक्ता ने तुरंत पुलिस से शिकायत की। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी डिंपल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

दुष्कर्म पीड़िता को धमकी देने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। न्यायालय में गवाही देने पहुंची दुष्कर्म पीड़िता ने आरोपी पर बेटे को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथियों ने कोर्ट परिसर में उसे और उसके पति को धमकाया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है ।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2019 में दिनेश नाम के एक व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस संबंध में पीड़िता ने सेक्टर-39 थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। पीड़िता की अब न्यायालय में गवाही होनी है। पीड़िता गवाही के लिए पति और अपने तीन माह के बेटे के साथ न्यायालय पहुंची। आरोपी भी अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गया। आरोपी ने न्यायालय में गवाही देने पर महिला के बेटे को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी उसे और उसके पति को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की।

100 करोड़ रुपए से ज़्यादा की ज़मीन कराई कब्जामुक्त

ग्रेनो प्राधिकरण ने की कार्रवाई, बाउंड्री वॉल करके अवैध रूप से बनाए जा रहे थे फ्लैट

गौतम बुद्ध नगर। अधिसूचित एरिया में अवैध निर्माण पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण द्वारा बिसरख थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। कुछ कॉलोनाइजर प्राधिकरण की जमीन पर कालोनी काटकर फ्लैट बनाने की कोशिश कर रहे थे। प्राधिकरण की टीम ने उन्हें रोक दिया। टीन से की गई फेंसिंग हटा दी। इस कार्रवाई का विरोध करने वालों के खिलाफ प्राधिकरण ने

एफआईआर दर्ज कराने के लिए बिसरख थाने में तहरीर दे दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना विभाग के ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि कुछ कालोनाइजर बिसरख के खसरा नंबर 814 की लगभग 12 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उनके द्वारा प्राधिकरण की जमीन को टीनसेड बाउंड्री कर अंदर कालोनी काटी जा रही थी, जिसमें उनके द्वारा अवैध रूप से फ्लैट बनाए जा रहे थे। प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित जमीन पर इन लोगों के द्वारा कब्जा करके यह फ्लैट बनाए जाते थे। वर्क सर्किल तीन के प्रबंधक प्रशांत समाधिया और सहायक प्रबंधक गौरव बघेल के नेतृत्व में टीम ने मौके पर जाकर अवैध निर्माण को रुकवा दिया। टीन से की गई फेंसिंग को हटा दिया। कालोनाइजर इस कार्रवाई का विरोध करने लगे। प्राधिकरण ने इन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दे दी है।

व्यापारी के बेटे के शव का नहीं लगा कोई सुराग

परिवार के लोगों ने जमकर किया हंगामा, लगाया जाम, 13 फरवरी को आंदोलन की चेतावनी

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे के व्यापारी के बेटे के शव का शनिवार तक कोई सुराग नही चल पाया है। जिसको लेकर पीड़ित परिवार और क्षेत्र के व्यापारियों में भारी रोष है। परिवार के लोगों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस की लापरवाही की वजह से ही यह घटना हुई है।

शनिवार को भी बिलासपुर कस्बे का बाजार बंद कर व्यापारी पीड़ित परिवार के साथ धरने पर बैठे रहे। इस दौरान कई बार दिन में गुस्साए लोगों ने दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही घटनास्थल पर पुलिस कमिश्नर को बुलाने की परिवार के लोग मांग कर रहे हैं। पीड़ित परिवार के लोगों का कहना है कि 13 फरवरी को इस मामले को लेकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। बिलासपुर कस्बा निवासी किराना व्यापारी अरूज सिंघल का 16 वर्षीय इकलौता बेटा वैभव 30 जनवरी की शाम से लापता हो गया था। जिन्होंने इस संबंध में 31 जनवरी को कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ अपने बेटे का अपहरण करने का केस भी दर्ज कराया था। तभी से पुलिस उसके तलाश में जुटी हुई थी। बीते बुधवार को पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग समेत दो आरोपियों को हत्या के आरोप में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है की माज नाम के मुख्य आरोपी ने आपत्तिजनक विडियो वैभव पर उसकी होने के चलते अपने साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर शव को खेरली नहर में फेंक दिया था। तभी से पुलिस नहर में एनडीआरएफ की टीम के साथ मिलकर शव की तलाश कर रही है। लेकिन कोई सुराग नहीं चल पाया है।

ज्वैलरी कारोबारी और उसकी बेटी की हत्या

गला रेतकर मारा, घर में लगे 15 सीसीटीवी बंद; बेटा-बहू को भनक तक नहीं लगी

अमरोहा। अमरोहा में ज्वैलरी कारोबारी और उनकी 27 साल की बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। दोनों का खून से लथपथ शव कमरे में फर्श पर मिला है। शनिवार सुबह वारदात का पता चला है। घर के दूसरे हिस्से में कारोबारी के बेटे-बहू थे। उनको वारदात की भनक तक नहीं लगी। कारोबारी का पूरा घर सीसीटीवी से लैस है। घर में 15 सीसीटीवी हैं।

लेकिन, वारदात के वक्त सभी सीसीटीवी बंद थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने योगेश चंद्र अग्रवाल और उनकी बेटी श्रष्टि के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने कमरे के अंदर जांच की। शहर कोतवाली इलाके के कटरा गुलाम अली में योगेश चंद्र अग्रवाल (67) अपनी बेटी श्रष्टि के साथ रहते थे।

सृष्टि उनके साले की बेटी थी,

जिसे उन्होंने 3 साल पहले गोद लिया था। योगेश चंद्र का ज्वैलरी की बड़ी दुकान थी। यही नहीं, वह उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष और आरएसएस की संस्था सेवा भारती के नगर अध्यक्ष भी थे। योगेश चंद्र की पत्नी छाया की 3 साल पहले कोरोना में मौत हो चुकी थी। परिवार में बेटा इशांक और बहु मानसी हैं। बेटे की शादी होने के बाद वह पत्नी के साथ दिल्ली में ही कारोबार करने लगा था। हालांकि, शुक्रवार रात बेटे-बहू घर के दूसरे हिस्से में थे। उन्हें सुबह ही वारदात की जानकारी हुई।

चाकू से हत्या, घर का मेन दरवाजा खुला था

योगेश चंद्र बड़े कारोबारी थे, ऐसे में घर में सुरक्षा का भी उन्होंने पूरा इंतजाम कर रखा था। आमतौर पर उनके घर का मेन गेट बंद रहता था। शनिवार सुबह पड़ोस में रहने वाली महिला ने देखा कि योगेश चंद्र के घर का मेन गेट खुला हुआ था। उन्हें कुछ शक हुआ तो उन्होंने आवाज लगाई।

लेकिन, अंदर से कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद वह आवाज लगाती हुई घर के अंदर तक चली गईं। वहां अंदर का हाल देखकर वह चीखते हुए बाहर आईं। कमरे में खून बिखरा था, योगेश और उनकी बेटी के शव खून से लथपथ जमीन पर पड़े हुए थे।

इसके बाद बेटा इशांक, बहू भी दौड़ते हुए नीचे आए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। डबल मर्डर की सूचना पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। डीआईजी, एसपी मौके पर पहुंच गए। डॉग स्कवॉयड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया।

शवों के चेहरे पर कपड़ा, सामान बिखरा...अलमारियां टूटी थीं

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बाप-बेटी की चाकू से गला रेतकर हत्या हुई है। वारदात से पहले उन्होंने संघर्ष भी किया है। क्योंकि, पूरे कमरे में खून बिखरा हुआ था। कमरे का सामान बिखरा हुआ था।

इसके अलावा, अलमारियां भी टूटी हुईं थीं। हत्या के बाद हमलावरों ने शवों के चेहरे पर कपड़ा डाल दिया था। इससे पुलिस को आशंका है कि पहले हत्या की गई है। इसके बाद लूट या चोरी की गई है।

बरेली : उपद्रव में दो मुकदमें दर्ज, 110 अज्ञात लोग शामिल

बरेली। उत्तर प्रदेश का बरेली प्रशासन के एतिहादे मिल्लत काउंसिल प्रमुख तौकीर रजा खां ने गिरफ्तारी के ऐलान के बाद सतर्क होने के बावजूद हुए उपद्रव और पथराव में शुक्रवार देर रात थाना बारादरी में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए हैं, जिसमें करीब 110 अज्ञात लोग शामिल हैं। आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा खां ने ज्ञान व्यापी मुद्दे पर कुछ दिनों पहले गिरफ्तारी देने का ऐलान किया। शुक्रवार अपराहन तक गिरफ्तारी मुद्दे पर अफरा तफरी फैली रही। जब लोग घर वापस जा रहे थे तभी कुछ लोग श्यामगंज बाजार में भिड़ गए, जिससे हम पथराव और तोड़फोड़ हुई। किसी तरह मामले पर काबू पा लिया गया। जानकारी मिलने पर अफसर मौके पर पहुंचे और बड़ी तादात में फोर्स तैनात कर दी गई। इसके बाद देर रात तक मुकदमा दर्ज कराए जाने की कवायद होती रही। शुक्रवार देर रात जगतपुर पुराना शहर निवासी कपिल शर्मा की ओर से 50-60 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया। जिसमें कहा गया है कि वह अपने साथी सुनील सागर के साथ जा रहा था तभी श्यामगंज क्षेत्र में कुछ लोगों ने हमला कर दिया और उसकी बाइक तोड़ दी। दूसरे दूसरे पक्ष हजियापुर निवासी मुस्तकीम ने अज्ञात 49-50 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया, जिसमें मारपीट, धमकी आदि का आरोप लगाया गया है। इस तरह दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए जिसमें कि करीब 110 अज्ञात लोग शामिल हैं। श्यामगंज क्षेत्र में हुए बवाल में दो लोग घायल भी हुए थे। एसएसपी बरेली घुले सुशील चंद्रभान ने कहा है कि सब कुछ शांतिपूर्वक निपट गया था लेकिन कुछ लोगों ने श्यामगंज क्षेत्र में स्थिति को बिगाड दिया, जिसमें घायल हुए लोगों का मेडिकल कराकर उपचार कर दिया गया है।

आजमगढ़ में 1 लाख का इनामी बदमाश गिरफ्तार

8 साल पहले जेल की दीवार फांदकर हुआ था फरार

आजमगढ़। 8 साल पहले जेल की दीवार फांदकर फरार हुए बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आजमगढ़ पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई और मुठभेड़ के बाद 1 लाख के इनामी बदमाश जितेंद्र मुसहर को पकड़ा गया। वह साल 2016 में आजमगढ़ जेल से फरार हो गया था। तब से पुलिस इसकी तलाश कर रही थी। आरोपी पर लूट और हत्या के 6 मामले दर्ज हैं। जिले के एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फरार आरोपी पर एडीजी वाराणसी द्वारा एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इस मामले की विवेचना सिधारी पुलिस द्वारा की जा रही है।

आरोपी जितेंद्र मुसहर पर हत्या, लूट, डकैती जैसे 6 मामले दर्ज हैं। जितेंद्र मुसहर गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी के कब्जे से टीम ने तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। जबकि इसका एक साथी मुठभेड़ के दौरान फरार होने में कामयाब रहा।

इस बारे में आजमगढ़ के एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि फरार आरोपी के बारे में संयुक्त टीम को सूचना मिली थी। जिसके मुताबित जितेंद्र मुसहर अपने साथी चंद्र शेखर मुसहर के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाला है। इस सूचना पर एसटीएफ टीम थाना सिधारी पुलिस के साथ भदुली बाईपास के पास उसका इंतजार करने लगी। इसी दौरान संयुक्त टीम ने दो आरे व्यक्तियों को जब रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने टीम पर फायर कर दिया। कंट्रोल फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है। घायल व्यक्ति की पहचान जितेन्द्र मुसहर के रूप में हुई।

घायल व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी थी और उसे नजदीकी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। घायल व्यक्ति ने अपना नाम जितेंद्र मुसहर बताया है। फरार व्यक्ति का नाम चंद्रशेखर मुसहर है। इस ऑपरेशन को एसटीएफ सब इंस्पेक्टर जावेद आलम, मृत्युंजय सिंह, यशवंत सिंह, चंद्र प्रकाश मिश्र और सिधारी इंस्पेक्टर योगेन्द्र सिंह की टीम ने अंजाम दिया।

बस्ती में भूमि विवाद में बुजुर्ग की हत्या

बेटे का काटा पैर, महिला पर भी वार किए, सोते समय किया हमला

बस्ती। बस्ती के कलवारी थाना क्षेत्र के गोसाईसीपुर गांव में भूमि विवाद के चलते एक वृद्ध की हत्या कर दी गई। वहीं उसके पुत्र के पैर पर धारदार हथियार से वार कर दबंगों ने उसका पैर ही काट दिया। हमलावारों ने युवक की बुआ को भी नहीं छोड़ा। उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। गोसाईसीपुर गांव निवासी 65 वर्षीय राम मिलन, बेटा विशाल उम्र लगभग 32 वर्ष, विशाल की बुआ माला देवी उम्र लगभग 50 वर्ष शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे घर में लेटी हुई थीं। इसी बीच पड़ोसियों ने भूमि विवाद में पुरानी रंजिश को

लेकर राम मिलन के घर पर धावा बोल दिया। लाठी, डंडा व फरसा लेकर मनबढ़ों ने सभी को मारना पीटना शुरू कर दिया। जिसमें राम मिलन की मौत हो गई। वहीं बेटे विशाल का पैर कट गया। विशाल की बुआ को भी चोटें आई हैं। जिन्हें परिजन आनन फानन में सीएचसी कलवारी ले गए। जहां डॉक्टर ने विशाल को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं विशाल की बुआ का इलाज सीएचसी पर ही चल रहा है।

जिला अस्पताल से विशाल को कर दिया गया रेफर

विशाल का पैर कट जाने के चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल के चिकित्सक ने हालत गंभीर देख उसे गोरखरपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वहीं विशाल की मां घर पर मौजूद नहीं थी। इस वजह से वह पड़ोसियों के हमले से बच गई। बेटे के पास मौजूद मां को यह नहीं पता था कि उसके पति की इस घटना में मौत हो गई है।

एसओ कलवारी बोले- मामले में की जा रही कार्रवाई

मामले को लेकर एसओ भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। गांव में पुलिस बल तैनात है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हापुड़ में अवैध शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा, 2 तस्कर गिरफ्तार

हापुड़। हापुड़ की थाना बाबूगढ़ पुलिस और एसओजी टीम ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6 अवैध पिस्टल, 10 अवैध तमंचे, एक पोनिया, तीन रिवाल्वर, एक बन्दूक, दो अधबनी पिस्टल समेत कुल 23 अवैध असलहे और भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुआ है। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसपी ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि आरोपियों द्वारा पशुधन कृषि केंद्र के परिसर स्थित एक खंडहर में यह फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपने नाम वाहिद उर्फ इल्ली व शाकिब निवासी गण नाहली थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद बताया है। जबकि एक आरोपी सरगना कासिफ निवासी मोहल्ला फकरुद्दीन अली अहमदनगर मेरठ फरार हो गया। आरोपी हापुड़ समेत आसपास के जिलों में डिमांड के आधार पर शस्त्र सप्लाई करने का काम कर रहे थे। तस्कर ऑनलाइन डिमांड के आधार पर अवैध शस्त्र लाकर देते थे। पकड़े गए तस्कर 45 से 50 हजार रुपए में पिस्टल बेचते थे। जबकि 5 हजार में तमंचे बेचते थे। पोनिया 15 हजार और रिवॉल्वर 35 हजार में बेचते थे। पकड़े गए तस्करों का आपराधिक इतिहास तलाश किया जा रहा है।

सीतापुर में सड़क हादसे में 3 की मौत

ट्रक की टक्कर से हुआ हादसा, ओवरटेक करने के दौरान बाइक को मारी टक्कर, पति-पत्नी की भी मौत

सीतापुर। सीतापुर में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां ओवरटेक करने के दौरान एक ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। दर्दनाक हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

तीन लोगों की हुई मौत

घटना बिसवां कोतवाली इलाके की है। यहां सड़क हादसे में चीख पुकार मच गई है। मिली जानकारी के अनुसार तालगांव थाना इलाके के ग्राम परसेंडी निवासी अवधेश कुमार अपनी पत्नी संगीता सहित एक अन्य महिला सरहज प्रियंका पत्नी कौशल के साथ एक ही

बाइक पर सवार होकर बिसवां दवा लेने आ रहे थे।

इसी दौरान पीछे से बाइक सवार को ओवरटेक करने के दौरान सीतापुर सर्स बिसवां की तरफ जा रहे एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मारते हुए बाइक सवारों को रौंद दिया।

ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा

इस दर्दनाक हादसे के बाद ट्रक चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर फरार हो गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलते ही केस दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल बस और ट्रक की भिड़ंत में कई छात्र घायल

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर में शनिवार सुबह अनूपशहर-अलीगढ रोड पर स्कूल बस और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर के दौरान छह -सात छात्र घायल हो गए जिन्हें उपचार हेतु सीएचसी अनूपशहर में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सुबह छात्रों से भरी एक स्कूल बस अनूप शहर की ओर जा रही थी जब वह जिरोला गांव के पास पहुंची तो घने कोहरे के बीच दृश्यता न के बराबर होने पर सामने से आ रहा ट्रक स्कूल बस से टकरा गया । टक्कर होने से बच्चों में अफ़रा-तफ़री मंच गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर छात्रों को बस से निकला और घायल छात्रों को सीएचसी अनूप शहर में भर्ती कराया है।

ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। लखनऊ के बाजारखाला थानाक्षेत्र स्थित हैदरगंज वैरागी टोला निवासी ईरिक्शा चालक शीतल कश्यप ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार को नगर निगम द्वारा पर गृहकर का नोटिस चस्पा किया था। जिससे परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया। बाजारखाला पुलिस के मुताबिक शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों ने किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं दी है।

शादी में गया था परिवार, शव लटका देख पड़ोसियों ने दी पुलिस को सूचना

ई-रिक्शा शीतल कश्यप के भाई दीपू के मुताबिक एक साल पहले ही उसकी शादी गुडिया से हुई थी। घटना के वक्त मां फूलमती और पत्नी उन्नाव निवासी मामा रामदीन के बेटे वीरेंद्र की शादी में शामिल होने गए थे। पड़ोसियों की सूचना पर सभी को घटना की जानकारी हुई।

परिजनों का आरोप है कि शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने 57000 गृहकर का नोटिस घर पर चस्पा किया था। साथ ही पैसा न जमा करने पर मकान सील करने की चेतावनी दी थी। जिससे परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठा लिया।

प्रभारी निरीक्षक संतोष आर्या ने बताया कि शीतल का शव कमरे में मिलने की सूचना पर पुलिस टीम गई थी। परिजनों के सामने दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा गया था।

धूमधाम से मनाई गई, राजा टोडरमल की जयंती

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। राजस्व के जनक राजा टोडर मल की पांच सौ इक्किसवीं जयन्ती पूर्व की भांति इस वर्ष भी राजा टोडरमल स्मारक समिति, राजस्व सुरक्षा सेवा दल के पदाधिकारियो व गण मान्यों द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाई गई।

राजा टोडरमल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया व अतिथियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। गुड़ियन पुरवा गांव के महंगे राम व बलदेव लाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार को भी सम्मानित किया गया। जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष संजयपुरी के द्वारा लहरपुर के मानसरोवर धाम अनियां कला तंम्केश्वर नाथ, पचासी बीघा तीर्थ स्थल राजापुर गांव, नगर पालिका परिसर लहरपुर स्थित राजा टोडरमल की प्रतिमा पर माल्यार्पण, खत्रियाना चौराहे चित्र पर माल्यार्पण, इण्डियन बैंक, तहसील प्रतिमा पर अध्यक्ष संजय पुरी, व लहरपुर उपजिलाधिकारी द्वारा माल्यार्पण किया गया।उसके बाद राजा टोडरमल पार्क स्थित कलेक्ट्रेट कचेहरी परिसर सीतापुर मे भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथियों व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया।

परामर्श केंद्र खुलने से महिलाओं को मिलेगा लाभ : एसपी

हरिनारायण यादव विशाल इंडिया

गाजीपुर। एसपी ओमवीर सिंह ने शनिवार को थाना कासिमाबाद पर महिला पुलिस परामर्श केंद्र के जीर्णोद्धार भवन का उद्घाटन फीता काटकर किया। इसके बाद थाने पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एसपी ने महिला पुलिस परामर्श केंद्र खुलने से महिलाओं को होने वाले लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया गया कि परामर्श केंद्र खुलने से महिलाओं को अपनी छोटी छोटी समस्याओं के लिए मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा। उनकी समस्याओं को यही पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा सुनकर निस्तारित कर दिया जाएगा। एसपी ने थाने पर आए फरियादियों की समस्याओं को भी सुना तथा उसके त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने थाना दिवस में सुनी जनता की फरियाद

ललितपुर। झांसी, डीआईजी कलानिधि नैथानी ने रेंज के जनपद झाँसी के थाना नवाबाद में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। रेंज के सभी चौकी/हल्का प्रभारियों को सीयूजी पर उपलब्ध रहते हुये पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें। थानों पर मिसिंग वस्तुओं के प्रकरणों में पीड़ितों द्वारा पावती मांगने पर उनको पावती दी जाये। थाना समाधान दिवस में राजस्व विभाग के भी अधिकारी मौजूद रहे। डीआईजी द्वारा बाद समाधान दिवस थाना कार्यालय के अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, शिकायत, महिला उत्पीड़न, त्यौहार रजिस्टरों का अवलोकन किया गया पुराने अभिलेखों को दुरूस्त करने

के साथ ही साथ नये अभिलेख बनाने के निर्देश दिये गये। अपराध रजिस्टर के अवलोकन के दौरान 07 साल से अधिक की सजा वाले लम्बित विवेचनाओ की अलग से समीक्षा कर ली जाये। टीमों का गठन कर शीघ्र घटना का अनावरण कराया जाये। 07 वर्ष से कम की सजा वालों प्रकरणों में विवेचक निर्णय नही ले पा रहे हो तो राजपत्रित अधिकारी द्वारा पर्यवेक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जाये। डीआईजी द्वारा थाना कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सम्मन/वारण्ट के अभिलेखों का अवलोकन किया गया सम्मन/वारण्टों का तामीला प्रतिशत काफी कम है, तामीला प्रतिशत बढाने हेतु एक उपनिरीक्षक स्तर का अधिकारी थाने पर नियुक्त करे जो मा0 न्यायालय से निर्गत सम्मन/वारण्ट का तामीला कराना शतप्रतिशत सुनिश्चित करें जिससे वारण्ट/सम्मन प्रतिशत में वृद्वि हो सके।

शार्ट न्यूज

एसपी ने थाना समाधान दिवस में सुनी शिकायतें

ललितपुर। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा थाना कोतवाली पहुंचकर जन समस्याओं को सुना गया तथा शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया । राजस्व से संबंधित शिकायतो को पुलिस व राजस्व टीम के साथ समन्वय स्थापित कर मौके पर भेजकर शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपने-अपने थानें पर आये हुए फरियादियों की जन समस्याओं को सुनकर स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण कराया गया । राजस्व से संबंधित शिकायतो को पुलिस व राजस्व टीम के साथ समन्वय स्थापित कर मौके पर भेजकर शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।

पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ललितपुर । तालबेहट, जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तालबेहट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अपराधिक मामले में नामजद फरार अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसे गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया। मिली जानकारी के अनुसार जनपद में अपराध अपराधियों पर लगाम लगाए जाने के उद्देश्य पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट कुलदीप कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना तालबेहट पुलिस द्वारा थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 46/2024 धारा 363/366 भादवि के वांछित अभियुक्त रेसू उर्फ रमेश पुत्र रामसेवक रजक उम्र करीब 19 वर्ष नि0 ग्राम सौरई थाना जखौरा को ललितपुर रेलवे स्टेशन के बाहर तिराहे से समय 09.20 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त उपरोक्त को नियमानुसार जेल भेजा जा रहा है ।

एसपी ने पैदल गश्त कर कराया सुरक्षा का अहसास

ललितपुर । पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव व सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत मय पुलिस फोर्स के थाना कोतवाली क्षेत्र में पैदल गश्त किया गया तथा व्यापारियों/आमजन मानस को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त कराया गया। एसपी द्वारा पैदल गश्त के दौरान व्यापारियों/ आमजन मानस से संवाद किया गया एवं व्यापारियों / आमजन मानस से आगामी लोकसभा चुनाव एवं ज्ञानवापी फैसले व सीएए/एनआरसी के दृष्टिगत भ्रामक अफवाहों से बचने, असामाजिक तत्वों की सूचना पुलिस को देने तथा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट/टिप्पणी न करते हुए आपसी भाईचारे से रहने तथा शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की गयी। व्यापारियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी की गयी तथा दुकानों पर स्वेच्छा से सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु प्रेरित किया गया । किसी भी प्रकार की घटना के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर डायल 112 व संबंधित थाने को सूचित करें जिससे अपराधियों के विरूद्ध समय से कार्यवाही की जा सकें । पैदल गस्त के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, प्रभारी निरीक्षक शशिभूषण सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

पूर्व विधायक को जान से मारने की धमकी

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा को कई नंबरों से कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई है तथा फोन पर उन्हें लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूर्व विधायक श्री वर्मा ने शनिवार को संवाददाता को बताया कि उन्हें अलग-अलग नंबरों से कॉल करके आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है तथा कुछ बोलने पर धारा प्रवाह गालियां दे रहा है, जिसके चलते वह काफी परेशान हो गए हैं। वह अभी तक 10 मोबाइल नंबर नोट कर चुके हैं जिनसे उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। पूर्व विधायक ने बताया कि इस संबंध में वह पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से मिलकर अपनी शिकायत भी दे चुके हैं। इसके बाद भी आज शनिवार सुबह फिर चार नंबरों से कॉल आई फोन उनकी बेटी ने उठाया उससे भी फोन करने वाले ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया है।

हथिनी की घायल बच्ची का मथुरा के हाथी अस्पताल में हो रहा है इलाज

मथुरा। उत्तराखण्ड के कारबेट नेशनल पार्क के पास रेल की टक्कर से घायल हुई हथिनी की बच्ची का इलाज एलीफैन्ट कन्जरवेशन एवं केयर सेन्टर चुरमुरा, मथुरा के अस्पताल में किया जा रहा है।यह अस्पताल हिन्दुस्तान का पहला हाथी चिकित्सा करने वाला अस्पताल है। वाइल्ड लाइफ एसओएस की वेटेरिनरी सेवाओं के उप निदेशक डॉ इलियाराजा एस ने बताया कि नौ माह की इस हथिनी का नाम बानी दिया गया है। इस हथिनी के चोट लगे स्थान की सफाई एवं मालिश की जा रही है तथा चोट से घाव बने स्थान की रोज सफाई के साथ विशेष चिकित्सा की जा रही है। जोड़ो की चिकित्सा लेजर चिकित्सा प्रणाली तथा फिजियोथिरैपी विधि से की जा रही है।उनका कहना था कि यह अच्छी बात है कि इस हथिनी के आगे के दोनो पैर ठीक काम कर रहे हैं।पहले अनुमान था कि उसके स्पाइनल इंजरी भी है किंतु जिस प्रकार से उसकी पूंछ हिल रही है तथा जिस प्रकार से इसका शरीर चल रहा है तथा खाना भी पचा रही है उससे लगता है कि उसे स्पाइनल इंजरी नही है तथा उसका जो भी इलाज किया जा रहा है उससे उसे फायदा हो रहा है।

शॉर्ट सर्किट से रेस्टोरेंट के किचन में लगी आग

वाराणसी। वाराणसी के लंका क्षेत्र में स्थित सागर रत्ना रेस्टोरेंट के किचन में शनिवार को आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। यह रेस्त्रां लंका क्षेत्र के स्वास्तिक प्लाजा में है। कर्मचारियों ने बताया कि जब आग लगी उस वक्त रेस्टोरेंट में सिर्फ एक ही ग्राहक था, जो बाहर निकल गया। रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने मिलकर आग बुझाने का काम किया। इस दौरान बाहर धुआं निकलने से लोग परेशान हो गए। कई लोग घटना का वीडियो शूट करने लगे। रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने बताया कि आग लगने के 10 मिनट के भीतर ही आग पर काबू पा लिया गया। किचन में शार्ट सर्किट की वजह से धुंआ भर गया था। घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची लेकिन तब तक आग पर काबू पाया जा चुका था।

आवश्यक सूचना

पेड़ की नीलामी

राजस्व ग्राम प्रेमपुर, परगना चड़रा तहसील महोली, जनपद- सीतापुर में स्थित गाटा सं0 380 रकबा 0.057 हे0 चकमार्ग में अरूं का 01 पेड़ व चिलबिल के 02 पेड़ व नीम का 01 पेड़ लगें हैं। उक्त पेड़ो का मूल्यांकन वन विभाग द्वारा मु0 13,844.00/- रुपये तय किया गया। उक्त पेडों की नीलामी दिनांक 13.02.2024 को तहसील के सभागार कक्ष में होगी।

तहसीलदार
महोली

आपातकालीन लैंडिंग के दौरान प्लेन ने उड़ा दी कार, दो की मौत

फ्लोरिडा । एक प्लेन की आपातकालीन लैंडिंग के दौरान शुक्रवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। इसमें प्लेन ने कार को अपने पंखे की चपेट में ले लिया और कार परखच्चे उड़ गए। हालांकि इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा में अंतरराज्यीय 75 पर एक छोटे विमान की आपातकालीन लैंडिंग के दौरान प्लेन एक वाहन से टकरा गया। ये क्रेश लैंडिंग पाइन रिज रोड के एक्जिट के पास हुई। इस गलि को एलीगेटर एली के नाम से जाना जाता है। लोगों का कहना है कि ये हादसा काफी भयानक था। उन्होंने देखा कि प्लेन का एक पंख हवा में उड़ता हुआ आया और अपने साथ एक गाड़ी को उड़ा ले गया। ये बिल्कुल मौत को छू कर निकलने जैसा था। हादसे वाले विमान की पहचान बॉम्बार्डियर चैलेंजर 600 जेट के रूप में हुई है। इस संबंध में फ्लोरिडा के उड्डयन प्रशासन का कहना है कि दोपहर करीब 3:15 बजे दुर्घटना के समय विमान में पांच लोग सवार थे। विमान ने दोपहर लगभग 1 बजे कोलंबस में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। दुर्घटना के समय यह विमान नेपल्स में उतरने वाला था। एक पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध करते हुए टावर से संपर्क किया था और कहा था कि उनके दोनों इंजन खराब हो गए हैं। टावर से संपर्क टूट गया, और फिर हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने कुछ ही मील की दूरी पर धुंआ देखा। पांच में से तीन लोगों को बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद कोलियर काउंटी शेरिफ प्रशासन का कहना है कि दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है लेकिन अभी इस बात में असमंजस की स्थिती है कि ये दो लोग प्लेन से थे या फिर प्लेन से टकराने वाली कार में थे। फ्लाइटअवेयर विमान ट्रैकर के अनुसार, विमान को फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में हॉप-ए-जेट वर्ल्डवाइड चार्टर द्वारा संचालित किया जा रहा था।

कांगो में बस और ट्रक-टक्कर में गई 18 लोगों की जान

किन्शासा । कांगो की राजधानी किन्शासा में एक सड़क हादसे में 18 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया ?कि यात्रियों से भरी एक बस ट्रक से टकरा गई है इसके बाद 18 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के संबंध में किन्शासा में किम्बनसेके नगर पालिका के महापौर अनादोलु एनगंगा ने कहा कि एन डिजिली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की ओर जाने वाले राजमार्ग पर यात्रियों से भरी हुई एक बस एक ट्रक से टकरा गई। इसके बाद सभी मृतकों के शवों को पास के अस्पताल के मुर्दाघर में ले जाया गया। इस हादसे में दो लोग घायल भी बताए जा रहे हैं।

रफह पर आक्रमण से पहले लोगों को निकालने का नेतन्याहू ने दिया आदेश

तेहरान । इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतान्याहू ने गाजा के रफह पर आक्रमण से पहले लोगों को वहां से निकालने का आदेश दिया है। इसके लिए उन्होंने सेना को संभावित इजराइली आक्रमण से पहले वहां से लोगों को निकालने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। मिस्र की सीमा पर स्थित शहर पर आक्रमण करने की इजराइल की योजना की अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बाद नेतन्याहू ने शुक्रवार को यह घोषणा की। इजराइल का कहना है कि रफह हमास का आखिरी बचा हुआ गढ़ है और उसे हमास के खिलाफ अपनी युद्ध योजना को पूरा करने के लिए सेना भेजने की जरूरत है। लेकिन अनुमान है कि 15 लाख फलस्तीनी गाजा में अन्यत्र लड़ाई से बचकर शहर में आ गए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि रफह में बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जाने की जरूरत है। पीएम ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों से एक दोहरी योजना पेश करने के लिए कहा है जिसमें नागरिकों की निकासी और हमास की शेष आतंकवादी इकाइयों को ध्वस्त करने के लिए एक सैन्य अभियान चलाना शामिल बताया जा रहा है।

विरोध प्रदर्शन में दो लोगों की मौत, छह घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि छह लोग घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को पुलिस और राजनीतिक प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों नेबताया कि यह घटना शांगला जिले में हुई जहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि प्रदर्शन में घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। गौरतलब है कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विरोध किया गया।

बाइडेन ने स्कोल्ज से मुलाकात में यूक्रेन फंडिंग, गाजा युद्ध पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ एक मुलाकात में यूक्रेन सहायता के लिए अमेरिकी फंडिंग के मुद्दों और गाजा संघर्ष पर चर्चा की है। व्हाइट हाउस ने प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया, 'श्री बाइडेन और श्री स्कोल्ज़ ने यूक्रेन के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। राष्ट्रपति ने यूक्रेन की आत्मरक्षा में जर्मनी के अनुकरणीय योगदान की सराहना की और चांसलर ने निरंतर अमेरिकी समर्थन के महत्व पर जोर दिया।' दोनों नेताओं ने वाशिंगटन में आगामी उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) नेताओं के शिखर सम्मेलन की योजनाओं पर भी चर्चा की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री बाइडेन और श्री स्कोल्ज़ ने गाजा युद्ध के कारण मध्य पूर्व में क्षेत्रीय वृद्धि को रोकने के प्रयासों और गाजा में नागरिकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के लिए टिकाऊ शांति की शर्तें तय करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसमें इजरायल की सुरक्षा की गारंटी के साथ फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना शामिल है।

कर्जदार को प्रताड़ित करने के दोषी भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के 47 वर्षीय व्यक्ति को कर्ज न चुकाने पर एक व्यक्ति को कपड़े उतारने तथा दाढ़ी और बाल मुंडवाने के लिए मजबूर करने के दोष में शुक्रवार को पांच महीने की जेल की सजा सुनायी गयी। नादेसन पिल्लई को सजा सुनाते वक्त जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के आरोप को भी ध्यान में रखा गया। पिल्लई के भारतीय मूल के दो दोस्तों जय शॉन फर्नांडिज और जूड प्रभु दावियास पाथी पर भी आपराधिक धमकी का आरोप लगाया गया है। 'टुडे' समाचार पत्र ने शुक्रवार को बताया कि पिल्लई के एक मित्र ने पीड़ित के साथ इस अपमानजनक कृत्य की वीडियो बना ली थी। अखबार ने पिल्लई के दो दोस्तों पर चले मुकदमे का उल्लेख नहीं किया है। उप लोक अभियोजक (डीपीपी) आंद्रे चोंग ने अदालत को बताया कि पीड़ित ने जय से 400 सिंगापुरी डॉलर उधार लिए थे और पिछले साल 26 मार्च तक उसे 700 सिंगापुर डॉलर देने पर राजी हो गया था। लेकिन उसने केवल 200 सिंगापुरी डॉलर दिए और जय ब्याज बढ़ाता गया जिससे उस पर 13 मई तक करीब 6,000 सिंगापुरी डॉलर का कर्ज चढ़ गया। डीपीपी चोंग ने बताया कि जय ने नादेसन और जूड को उससे तथा पीड़ित से एक बार में मिलने के लिए कहा। तीनों ने बार में पीड़ित से मारपीट की और उसके एक गोदाम में ले गए जहां उसे कपड़े उतारने तथा उठक-बैठक करने के लिए कहा। इसके बाद वे तीनों उसे एक नाई के पास ले गए तथा नाई से उसे गंजा करने तथा उसकी दाढ़ी काटने के लिए कहा। जय ने इस घटना की वीडियो बना ली थी।

बांग्लादेश में रुलाने लगा प्याज, 120 टका में एक किलो

ढाका। बांग्लादेश में आम आदमी के लिए प्याज खरीदना मुश्किल हो गया है। एक सप्ताह में प्रति किलोग्राम प्याज के मूल्य में 30 टका (बांग्लादेश की मुद्रा टका है) का इजाफा हुआ है। भारतीय मुद्रा में एक टका का मूल्य 76 पैसे होता है। इस समय बांग्लादेश में एक किलोग्राम प्याज 120 टका में बिक रहा है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि पिछले सप्ताह रसोई की कई वस्तुओं की कीमत में कमी देखी गई है, लेकिन प्याज की कीमत अनियंत्रित बनी हुई है। पिछले हफ्ते प्याज का मूल्य प्रति किलोग्राम 90 टका था। सात दिन में यह बढ़कर 120 टका हो गया है। ढाका के प्रमुख आलू-प्याज विक्रेता एमडी सलीम का कहना है कि यह सचमुच चिंताजनक है। प्याज की कीमत लगातार बढ़ रही है। पिछले शुक्रवार को उन्होंने एक किलोग्राम प्याज 90 टका में बेची। अब वह 120 टका प्रति किलोग्राम पर बेचने को विवश हैं।

पोलैंड में कीमतें बढ़ने और करों को लगाये जाने के विरोध में प्रदर्शन करते हुए किसान।

इमरान की बहन ने किया दावा, सेना करा सकती है इमरान का कत्ल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने दावा किया है कि उनके भाई इमरान की सेना कत्या कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमरान खान चुनाव जीत गए हैं, ऐसे में उनकी कभी भी हत्या की जा सकती है। बता दें कि आम चुनाव की मतगणना के बीच जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के परिवार ने बड़ा आरोप लगाया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चीफ की बहन ने बातचीत में कहा कि सेना इमरान की हत्या करना चाहती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीटीआई जनरल इलेक्शन में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर चुकी है। अगर पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के अब तक आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति कुछ इस प्रकार है। नेशनल असेंबली की 250 सीट पर मतगणना पूरी हो चुकी है और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 99 सीट जीती हैं। इनमें से अधिकतर उम्मीदवार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थित हैं। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा ?कि कई मामलों में तो ऐसा हुआ कि इमरान खान के समर्थन वाले कैंडिडेट्स 80 हजार से अधिक वोटों से आगे होने के बावजूद हारे हुए घोषित कर दिए गए। दिनदहाड़े लूट हुई और वोट चुराए गए हैं। नवाज शरीफ की पार्टी 50-60 सीटें ही जीत रही है और इसमें भी चोरी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे एक प्रत्याशी ने लाहौर हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर लिया है। दूसरे उम्मीदवार भी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पीटीआई चीफ को लेकर अलीमा ने कहा कि अभी तक इमरान खान से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। इससे पहले इमरान की हत्या के 2 प्रयास हो चुके हैं।

पाकिस्तान में पीपीपी, पीएमएल-एन मिलकर बनाएंगे सरकार?

-इमरान समर्थक उम्मीदवारों ने भी किया बहुमत का दावा, सौ से ज्यादा सांसद जीते

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की गठबंधन सरकार बनने जा रही है। हालांकि निर्दलीय के तौर पर इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थित सौ से ज्यादा सांसदों ने जीत हासिल की है, ऐसे में वह भी अपना दावा जता रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में मतगणना के दौरान फर्जीवाड़े के भी आरोप लगाए गए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के केंद्र और पंजाब में गठबंधन सरकार बनने जा रही हैं। यह खबर पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ की ओर से पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात के बाद सामने आई है। शहबाज ने पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के आवास पर पीपीपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने कहा कि शहबाज ने जरदारी के साथ भविष्य में सरकार गठन पर चर्चा की और पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का संदेश भी दिया। शहबाज ने दोनों पीपीपी नेताओं से पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए पीएमएल-एन नेतृत्व के साथ सरकार में शामिल होने को कहा।

इधर सूत्रों ने दावा किया कि जरदारी और शहबाज पंजाब और केंद्र में सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं। दोनों पार्टियां अगली बैठक में अपने-अपने विचार पेश करेंगी और सत्ता-बंटवारे के फार्मूले के संबंध में सभी मामलों को अंतिम रूप देंगी। बता दें कि पाकिस्तान में अब तक नेशनल असेंबली की 265 में से 244 सीटों के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। इनमें से 96 सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। निर्वाचन आयोग की ओर से परिणाम घोषित करने में देरी करने पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए गए हैं।

मतगणना अब भी जारी है।

हालांकि आम चुनाव में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला लेकिन इमरान समर्थित निर्दलीयों ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं हैं। कुछ सीटों के नतीजे आने बाकी है लेकिन सबसे ज्यादा 100 सीटें निर्दलीयों ने जीती जिन्हें इमरान समर्थित माना जा रहा है। नवाज शरीफ की पार्टी को 71 सीटें मिली है जबकि सहयोगी पार्टी पीपीपी 53 सीटें जीती। इसी तरह एमक्यूएम चौथी सबसे बडी पार्टी बनी और उसको 17 सीटें मिली। यहां 264 सीटों पर चुनाव हुआ था और बहुमत का आंकडा 134 है। अब सरकार बनाने के लिए नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टों तैयार है। जबकि इमरान खान की पार्टी ने भी कहा कि उनके सबसे ज्यादा सांसद जीते हैं इसलिए वो केंद्र में सरकार बनाएगी।

अब जानकार बता रहे हैं कि चुनावी सफलता के बावजूद, इमरान खान की पार्टी पीटीआई को नुकसान हुआ है। चुनाव आयोग के फैसले के कारण उनका चुनावी चिह्न बल्ला जब्त हो गया था इसलिए अल्पसंख्यक सीटों का कोटा आवंटित नहीं किया जाएगा। दरअसल पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 10 सीटें वहां के अल्पसंख्यकों हिंदुओं और ईसाइयों के लिए आरक्षित रहती हैं। कुल 336 सीटों में से 266 सीटों पर जनता के वोटों के जरिए सीधे चुनाव होता है और बची हुई 70 सीटें रिजर्व होती हैं जिनमें से 10 सीटें अल्पसंख्यकों (हिंदू और ईसाइयों) तथा 60 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व रहती है। इन सीटों का बंटवारा नेशनल असेंबली में जो दल चुनाव जीतकर आते हैं उनकी सीटों के अनुपात में होता है। ऐसे में इमरान को यहां अल्पसंख्यक सीटों का कोटा नहीं मिलेगा है।

अमेरिका में आए तेज भूकंप के झटके, लोग घरों से बाहर भागे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के हवाई में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। कई लोग डर के कारण घरों से बाहर निकले और सड़क पर आ गए। 5.7 की तीव्रता वाले इस भूकंप में राहत की बात ये रही सुनामी जैसा कोई खतरा नहीं है।

यूएसजीएस के मुताबिक भूकंप के ये झटके शुक्रवार की देर रात 11 बजकर 24 मिनट पर महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र ओक्लाहोमा से 8 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में प्राग में ओक्लाहोमा सिटी से लगभग 57 मील (92 किलोमीटर) पूर्व में केंद्रित था। अमेरिकी भूकंपविज्ञानियों ने बताया कि शुक्रवार को हवाई में जोरदार भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि 5.7 तीव्रता का भूकंप हवाई के मुख्य द्वीप पर पाहाला के पास आया, जिसका केंद्र पृथ्वी की सतह से लगभग 37 किलोमीटर (23 मील) नीचे था। एक वेबसाइट ने यूएसजीएस के हवाले से बताया कि भूकंप पूरे मुख्य द्वीप पर महसूस किया गया। एजेंसी ने कहा कि जान-माल के नुकसान की संभावना कम है।

इससे पहले, पिछले हफ्ते ही अमेरिका के ओक्लाहोमा प्रांत में भूकंप आया था। अमेरिका के ओक्लाहोमा में पिछले शुक्रवार रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (यूएसजीएस) के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गयी थी। भूकंप के तेज झटके के बाद अगले कई घंटों तक कम तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए थे। लिंकन काउंटी के उप आपातकालीन प्रबंधन निदेशक चार्लोट ब्राउन के अनुसार भूकंप के कारण किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और क्षति न्यूनतम दिखी। भूकंप के झटकों के कारण ज्यादातर वस्तुएं घरों के अंदर अलमारियों से उलट गईं अथवा हिल गईं। चार्लोट ब्राउन ने कहा, ''कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं। बहुत सारे डरे हुए लोगों के अलावा कुछ भी नहीं। बता दें कि विशाल टेक्टोनिक प्लेट के बीच में होने के बावजूद भी हवाई शहर धरती का भूकंपीय रूप से सक्रिय हिस्सा है। यहां किलाउआ सहित 6 सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं। जो कि पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं, जो हेलीकॉप्टर से हवाई के बिग आइलैंड पर इसका नजारा देखने आते हैं। इतना ही नहीं, यह दुनिया के सबसे बड़े ज्वालामुखी मौना लोआ का भी स्थान है। यह ज्वालामुखी साल 2022 में जब फटा था तो एक सप्ताह तक शांत नहीं हुआ था। तब यह चार दशकों में पहली बार फूटा था। तब इसमें से 60 मीटर (200 फीट) ऊंचाई तक लावा के फव्वारे उठे थे, जिससे पिघले हुए लावा की नदियां बहने लगी थीं।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूसी ड्रोन अटैक, 7 लोगों की मौत

वाशिंगटन (एजेंसी)। खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर एक रूसी ड्रोन हमले में रात भर में तीन बच्चों सहित कम से कम सात लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि ईरान निर्मित शहीद ड्रोन ने शहर के नेमिश्लियन जिले में नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला किया, जिससे भीषण आग लग गई और 15 निजी घर जल गए। आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि 50 से अधिक लोगों को निकाला गया है और आपातकालीन कर्मचारियों ने शनिवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया है। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में रूस द्वारा लॉन्च किए गए 31 ईरानी शहीद ड्रोनों में से 23 को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि ड्रोन ने मुख्य रूप से पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र और दक्षिणी प्रांत ओडेसा को निशाना बनाया।

ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रात भर हुए ड्रोन हमलों से वहां चार लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, हमले तीन लहरों में हुए। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रात भर हुए ड्रोन हमलों से वहां चार लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, हमले तीन लहरों में हुए। सबसे पहले क्षेत्रीय राजधानी - ओडेसा के बंदरगाह शहर को निशाना बनाया गया। सभी नौ ड्रोन मार गिराए गए, लेकिन मलबे से बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और एक व्यक्ति घायल हो गया। किपर ने कहा कि दूसरी और तीसरी लहरों ने डेन्यूब नदी क्षेत्र में बंदरगाह बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। कुल 12 ड्रोन मार गिराए गए और तीन लोग घायल हो गए। रोमानिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि रूस ने रोमानिया की सीमा के पास यूक्रेन के इस्माइल और रेनी नदी बंदरगाहों पर रात भर ड्रोन हमले किए।

अमेरिका और जापान ने ताइवान को लेकर क्या किया ऐसा, भड़कते हुए जिनपिंग ने कहा- चुकानी होगी भारी कीमत

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान को लेकर संयुक्त अमेरिकी-जापान अभ्यास में दिखावटी संघर्ष की खबरों के बीच टोक्यो में बीजिंग के दूतावास ने कड़ी चेतावनी जारी की है। चीनी दूतावास ने टोक्यो को चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और चीन के पुनर्मिलन में बाधा डालने के खिलाफ चेतावनी दी। जापानी मीडिया ने बताया कि अमेरिका और जापान ने कीन एज अभ्यास के दौरान पहली बार बीजिंग को काल्पनिक दुश्मन के रूप में दिखाया। चीन ने रिपोर्टों के संबंध में टोक्यो को गंभीर चिंता व्यक्त की है। जबकि जापान ने ड्रिल विवरण की सटीकता से इनकार किया। लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर हाल के वर्षों में बीजिंग और टोक्यो के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

अमेरिका और जापान ने इस सप्ताह के अंत में एक संयुक्त कमांड पोस्ट अभ्यास पूरा किया, विश्लेषकों का कहना है कि इसका उद्देश्य चीन से खतरों से निपटने में उनकी क्षमताओं के समन्वय में सुधार करना है। कीन एज 24 कंप्यूटर सिमुलेशन अभ्यास का उद्देश्य ÷संकट या आकस्मिकता की स्थिति में प्रतिक्रियाओं का अभ्यास करना÷ था, यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड ने कहा कि यह अभ्यास 1 फरवरी को शुरू हुआ और गुरुवार को समाप्त हुआ। यह एक वार्षिक द्विपक्षीय अभ्यास का हिस्सा है जो फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास कीन स्वॉर्ड के साथ वैकल्पिक होता है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल ने इस वर्ष पहली बार कीन एज में भाग लिया।

क्योडो न्यूज ने अनाम सरकारी स्रोतों का हवाला देते हुए रविवार को बताया कि अमेरिका और जापान ने अपने अभ्यास में पहली बार चीन को पहले इस्तेमाल किए गए अस्थायी नाम के बजाय एक काल्पनिक दुश्मन के रूप में नामित किया। क्योदो ने बताया कि जापानी रक्षा मंत्रालय ने कथित तौर पर अभ्यास परिदृश्यों को देश के गोपनीयता कानून के तहत वर्गीकृत किया है। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मार्टिन माइनर्स ने बुधवार को वीओए की कोरियाई सेवा को बताया कि हम विशिष्ट अभ्यास परिदृश्यों पर चर्चा नहीं करते हैं। विभिन्न संकट और आकस्मिक स्थितियों का जवाब देने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के लिए कीन एज 2024 एक यथार्थवादी प्रशिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

आने वाले वक्त में क्वाड की प्रासंगिकता बढ़ेगी : जयशंकर

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि 'क्वाड' (चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद) समूह की प्रासंगिकता बढ़ेगी और यह क्षेत्रीय तथा क्षेत्र से परे राजनीति व नीति में एक बड़ा कारक बनेगा। जयशंकर ने हिंद महासागर सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया की अपने समकक्ष पेनी वोंग के साथ एक चर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं। वह दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए हुए हैं। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया वाले 'क्वाड' समूह के बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह समूह प्रमुख शक्तियों की बदलती क्षमताओं और पूरी दुनिया पर उसके असर का परिणाम है। क्वाड का गठन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख से निपटने के लिए 2017 में किया गया था।

जयशंकर ने कहा, ''यह हमारे लिए ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के साथ तीन बहुत महत्वपूर्ण संबंधों को भी दर्शाता है जो शीत युद्ध खत्म होने के बाद बदल गए हैं।'' उन्होंने कहा कि ये चारों देश इस समुद्री क्षेत्र के चार कोनों पर स्थित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ यह भविष्यवाणी कर रहा हूं कि क्वाड की प्रासंगिकता बढ़ेगी और यह वृहद क्षेत्रीय और क्षेत्र से इतर राजनीति और नीति में एक बड़ा कारक बनेगा।'' विदेश मंत्री ने हिंद महासागर के देशों के साथ भारत की साझेदारी के बारे में भी बात की।

जयशंकर ने कहा, ''आज हिंद महासागर के पुनर्निर्माण और उसे पुनः जोड़ने की चुनौती है। आप ऐसा भारत देखने जा रहे हैं जो हिंद महासागर में बहुत गहराई से जुड़ा होगा और बहुत गहरायी से उसमें निवेश करेगाज्हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हिंद महासागर को अतीत की तुलना में आज अधिक जुड़ा हुआ, अधिक निर्बाध और समावेशी बनाया जाए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वे वास्तव में धैर्यपूर्वक और सम्मानपूर्वक इस क्षेत्र का पुनर्निर्माण कर सकते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों के बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि इसके बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम व्यापार व आर्थिक क्षेत्र में और ज्यादा कर सकते हैं।''

जयशंकर ने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को लेकर काफी ''आशावादी'' हैं क्योंकि इसमें असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में द्विपक्षीय मोर्चे पर हमने जो चीजें हासिल की हैं, वह आशावादी होने की वजह देती हैं। जयशंकर ने पर्थ में भारतीय मूल के सैनिक नैन सिंह सैलानी के नाम पर रखे गए सैलानी एवेन्यू का भी दौरा किया। रिकॉर्ड से पता चलता है कि उन्होंने सात फरवरी 1916 को पर्थ में ऑस्ट्रेलियन इम्पीरियल फोर्स में शामिल होने से पहले एक ''मजदूर'' के रूप में काम किया था।

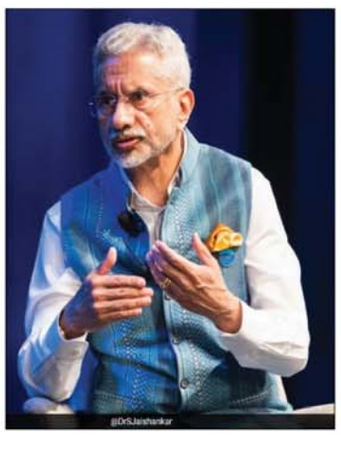

विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास लेंगे वार्नर

होबार्ट । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह जून में होने वाले 20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप से भी संन्यास ले लेंगे। वार्नर ने टेस्ट और एकदिवसीय से पहले ही संन्यास ले लिया था। इस प्रकार इसी साल वार्नर का क्रिकेट सफर समाप्त हो जाएगा। इस बल्लेबाज ने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच भारतीय टीम के खिलाफ गत वर्ष खेला था। वहीं अपना अंतिम टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए इस बल्लेबाज ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद वार्नर ने कहा कि वह आगामी टी20 विश्व कप में इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहते हैं। वार्नर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 गेंदों पर 70 रन बनाए थे जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का इनाम मिला था। वॉर्नर ने मैच के बाद कहा कि अब मैं टी20 विश्व कप खेलना चाहता हूं। वार्नर ने न्यूजीलैंड दौरे सहित आगामी चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए टीम के भीतर गति और एकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक इकाई के तौर पर खेलने के कारण ही वेस्टइंडीज टीम के जबरस्त प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम जीतने में सफल रही।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए घोषित की टीम

जडेजा और राहुल की वापसी, आकाशदीप नया चेहरा , विराट और अय्यर शामिल नहीं

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम में जहां ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी हुई है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल नहीं किया गया है। विराट ने जहां निजी कारणों से बचे हुए मैचों के लिए नाम वापस ले लिया है। वहीं अय्यर चोटिल होने के कारण बाहर हुए हैं। टीम में बिहार के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप को पहली बार अवसर मिला है। जडेजा और राहुल को टीम में जगह मिल गयी है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिली है। विराट के बाहर होने के कारण पाटीदार को उनकी जगह बल्लेबाजी का अवसर मिलना तय नजर आता है।

वहीं विराट को लेकर बीसीसीआई ने कहा है कि वह निजी कारणों से सीरीज से बाहर हैं। साथ ही कहा कि बोर्ड उनके इस फैसले का पूरी तरह से सम्मान करता है। साथ ही कहा कि जडेजा और राहुल के खेलने पर फैसला मेडिकल टीम की ओर से फिटनेस का आंकलन किये जाने पर ही लिया जाएगा। वहीं मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी टीम से बाहर हो गए हैं। विशाखापत्तन टेस्ट मैच के बाद ही अय्यर की पीठ में जकड़न आ गयी थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से राजकोट में जबकि चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से धर्मशाला में होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

अंडर-19 विश्वकप

भारत-ऑस्ट्रेलिया खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभाने सकते हैं उदय, स्ट्रेकर सहित ये खिलाड़ी

मुम्बई ।

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अंडर-19 विश्वकप के खिताबी मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। भारतीय टीम ने अबतक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने ये खिताब पांच बार जीता है। इस बार टीम उदय सहारन की कप्तानी में जीत के आंकड़े को बढ़ाना चाहेगी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल का टिकट कटाया है। टीम इंडिया की नजरें अब रिकॉर्ड छठी बार विश्व विजेता जीतना है। उदय की कप्तानी वाली इस भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 2 विकेट से जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। दोनों टीमों में कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। भारतीय कप्तान उदय इस समय बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने 6 मैचों में 389 रन बनाए हैं। उदय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। अगर

भारत के बल्लेबाज मुशीर खान ने भी अब तक बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 6 पारियों में 2 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 338 रन बनाए हैं। मुशीर ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के ही सचिन दास ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कठिन हालातों में 96 रन की पारी खेली थी। फाइनल में भी सचिन इस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज टॉम स्ट्रेकर ने भी अब तक घातक गेंदबाजी की है। ऐसे में भारतीय टीम को उनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने अंडर 19 विश्व

कप में अब तक 12 विकेट लिए हैं। सेमीफाइनल में टीम की जीत में स्ट्रेकर ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हरजस सिंह अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं पर खिताबी मुकाबले में वह अंतर पैदा कर सकते हैं।

बंगाल से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं आकाशदीप , इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया

मुम्बई ।

इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल मध्यम तेज गति के युवा गेंदबाज आकाशदीप टीम में नया चेहरा हैं। आकाशदीप का जन्म बिहार में हुआ है पर वह बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्हें तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह टीम में जगह मिली है। आवेश टीम में बैकअप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल थे। अब आकाशदीप को टेस्ट में प्रदर्पण का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम में आकाश के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का जन्म भी बिहार में हुआ था पर वह भी बंगाल की ओर से खेलते हैं। दाएं हाथ के गेंदबाज आकाश दीप को इससे पहले सीमित ओवरों के दल में भी जगह मिली थी। उन्हें एशियाई खेलों के अलावा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में रखा गया था पर उन्हें पदार्पण का अवसर नहीं मिला था। बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आकाशदीप ने हाल में इंडिया ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आकाश दीप ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की गैर आधिकारिक टेस्ट सीरीज में इंडिया ए की ओर से

सबसे अधिक 13 विकेट लिए थे। इसके अलावा आकाश दीप ने साल 2022 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ओर से खेला था हालांकि वह तब प्रभावित नहीं कर पाये थे। आईपीएल में अपने पहले सत्र में उन्होंने कप्तान फाफ डुप्लेसी को अपनी गति से काफी प्रभावित किया था। आकाश दीप ने साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 29 मैचों में 103 विकेट लिए थे। इसके अलावा वह निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं।

धोनी ने युवा खिलाड़ियों से कहा सम्मान आपके आचरण से आता है

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खिलाड़ियों से कहा है कि सम्मान हासिल करने का प्रयास नहीं करें बल्कि इसे अर्जित करें ये आपके आचरण से आता है। धोनी अपनी बेहतरीन कप्तानी के लिए जाने जाते हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय और टी20 विश्वकप के अलावा कई अन्य खिताब भी अपने नाम किये हैं। धोनी ने एक कार्यक्रम में कहा कि निष्ठा का सम्मान से गहरा संबंध है। जब आप ड्रेसिंग रूम की बात करते हो तो जब तक आपको सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ियों का सम्मान नहीं मिलेगा तब तक आपके लिए उनकी निष्ठा हासिल करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि आप क्या कर रहे हो, ये नहीं कि आप क्या बोल रहे हो। आप भले ही कुछ भी नहीं बोलो परन्तु अपना व्यवहार आपको वह सम्मान दिला सकता है। धोनी ने कहा कि एक नेतृत्वकर्ता के लिए यह सम्मान उसके काम से आता है, उसकी बातों से नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता था कि एक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान हासिल करना अहम है क्योंकि यह कुर्सी या पद के साथ नहीं आता है। यह आपके आचरण से आता है। कई बार लोग असुरक्षित होते हैं। कभी कभी भले ही टीम आप पर विश्वास करती हो पर वास्तव में आप ही पहले व्यक्ति हो जो अपने पर विश्वास नहीं करोगे।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग दबाव पसंद करते हैं और कुछ को यह पसंद नहीं है। कप्तान के लिए एक व्यक्ति की मजबूती और उसकी कमजोरी को समझना अहम है।

नेसर की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वापसी

कैनबरा ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 फरवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। सीए ने इस सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों की घोषणा की है। नेसर को इसलिए इस सीरीज के लिए शामिल किया गया है क्योंकि चयनकर्ताओं का मानना है कि वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में सीम-अनुकूल पिचों पर नेसर प्रभावी होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लांस मॉरिस के घायल होने और झाय रिचर्डसन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होने से भी नेसर को शामिल करना जरुरी हो गया था।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, नेसर की टीम में वापसी हुई है। देखना बहुत अच्छा है कि नेसर को लंबे समय से उनके लगातार लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में एक और मौका मिला है। जैसा कि हम जानते हैं कि प्रत्येक टेस्ट डब्ल्यूटीसी अंक को देखते हुए अहम है। ऐसे मे हमें इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यह दौरा एक बहुत मजबूत टीम के खिलाफ एक कठिन चुनौती होगी जो लंबे समय से घरेलू मैदान पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक बार फिर सीरीज के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम में कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ के साथ सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के पास रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम

अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर शीर्ष पर आना रहेगा।

डिविलियर्स ने प्रशंसकों से माफी मांगी, विराट के मामले में मैंने गलत जानकारी दी

जोहांसबर्ग । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होने को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस मामले को लेकर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने हाल ही में कहा था कि विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं इसलिए वह अभी खेल से दूरी बनाये हुए हैं और अपने परिवार के साथ हैं। वहीं अब डिविलियर्स ने इस मामले में कहा कि उनसे गलती हो गयी। उन्होंने गलत खबर दे दी। इसलिए वह प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। साथ ही कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस समय विराट कहां पर हैं। डिविलियर्स आईपीएल में विराट की आरसीबी टीम से खेलते थे जिससे कारण उनकी विराट से गहरी दोस्ती है। विराट ने जब शुरुआती दो टेस्ट मैचों से बाहर रहने का फैसला लिया था। तब कहा जा रहा था कि उनकी मां बीमार हैं पर कुछ दिन बाद ही विराट के बड़े भाई ने सोशल मीडिया पर इस खबर को गलत बताया था। उनके भाई का कहना था कि उनकी मां ठीक हैं। इसलिए मीडिया इस प्रकार की आधारहीन खबरें न फैलाये। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट हैं, इस कारण वह नहीं खेल रहे हैं। डिविलियर्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर परिवार पहले है। जैसा कि मैंने कहा था। उस समय मुझसे एक बड़ी गलती हो गई थी। मैंने तब गलत जानकारी दे दी थी। किसी को नहीं पता कि विराट इस समय कहां हैं। उम्मीद करता हूं कि विराट शानदार तरीके से मैदान पर वापसी करेंगे। '

इंग्लैंड को सफल होने आक्रामक और पारंपरिक शैली में संतुलन लाना होगा : वॉन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि टीम को भारत में सफल होने के लिए आक्रामक और पारंपरिक क्रिकेट की शैली में संतुलन बनाना होगा। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज पहले दोनो ही मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वॉन के अनुसार टीम को आक्रामक रणनीति अपनाने के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में अच्छी सफलता मिली है पर उसे एशेज सीरीज सहित कुछ मुकाबलों में विफलता का सामना भी करना पड़ा है। वॉन ने कहा, 'अब इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन गई है जो कड़े प्रयासों के बाद भी अधिक सफलता नहीं हासिल कर पा रही है पर उसकी आलोचना नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद खिलाड़ियों ने काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि चिंता है कि कहीं वे एक ऐसी टीम न बन जाए जो इतना शानदार करने के बाद भी अधिक मैच जीतने में सफल विफल रहें। जब उन्हें एशेज श्रृंखला जीतनी चाहिए थी तब वे नहीं जीत सके और अब भारतीय टीम सीरीज में वापसी में सफल रही। यह भी तब हुआ जब भारतीय टीम में विराट कोहली समेत कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं थे। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली थी पर टीम दूसरे मैच में भारतीय गेंदबाजों के सामने बिखर गयी गयी। इससे भारतीय टीम ने जीत के साथ सीरीज में वापसी कर ली। वॉन ने टीम बल्लेबाजों से जरूरत के मुताबिक आक्रामक रूख अपनाने की सलाह दी पर युवा स्पिन गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, 'युवा स्पिनर शानदार रहे हैं। वहीं तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

विराट के सीरीज से बाहर रहने पर बोले स्टेन, परिवार पहली प्राथमिकता

किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती : चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों में नहीं खेल रहे। इस बारे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की घोषणा के बाद दो पूर्व क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इसी को लेकर दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता होती है। स्टेन ने कहा कि अगर विराट ने आराम से बैठने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का फैसला किया है तो उन्हें इसमें उन्हें कोई गलती नहीं दिखती है। परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता है। स्टेन ने साथ ही कहा कि विराट ने लंबे समय तक देश की सेवा की है। उन्होंने यह भी कहा कि दाएं हाथ के बल्लेबाज ने वह सब कुछ किया है जो एक क्रिकेटर अपने देश के लिए कर सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, वह कई वर्षों से भारत के सेवक रहे हैं। उन्होंने विश्व कप जीता है। उन्होंने सफलता के साथ कप्तानी की है। मुझे नहीं पता कि क्रिकेट की दुनिया में अपने को साबित करने के लिए एक आदमी और क्या कर सकता है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती। जिंदगी चलती रहनी चाहिए, शो चलते रहना चाहिए। हम कोहली की कमी काफी महसूस कर रहे हैं पर इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वह वहां नहीं हैं तो आप सीरीज हार जाएंगे।

राजकोट में डेब्यू कर सकते हैं सरफराज

मुम्बई भारत ओर इंग्लैंड के बीच 15 फरवरी से राजकोट में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में बल्लेबाज सरफराज खान को डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि विराट कोहली और श्रेयस अय्यर सीरीज से बाहर हो गये हैं। वहीं केएल राहुल और रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी तो हुई है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। विराट जहां निजी कारणों से टीम से बाहर है, वहीं अय्यर चोटिल हो गये हैं। अब यदि जसप्रीत बुमराह को राजकोट टेस्ट में यदि आराम मिलता है तो फिर भारतीय टीम अंतिम ग्यारह में इस प्रकार के संयोजन से उतरेगी। अय्यर के बाहर होने से चौथे नंबर पर केएल राहुल उतरेंगे पर यदि राहुल पूरी तरह फिट नहीं होते तो फिर सरफराज का उतरना तय है। वहीं पांचवें नंबर पर रजत पाटीदार उतर सकते हैं। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। वहीं तीसरे नंबर पर शुभमन गिल उतरेंगे। दूसरी ओर गेंदबाजी में अगर जसप्रीत बुमराह को अगर आराम मिलता है तो फिर मोहम्मद सिराज को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय है। सिराज की बाकी बचे 3 टेस्ट मैच के लिए चुनी गई टीम में वापसी हुई है। दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में मुकेश कुमार उतरेंगे। अक्षर पटेल छठे और विकेटकीपर केएस भरत सातवें नंबर पर उतर सकते हैं। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और कुलदीप यादव का खेलना तय है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, सरफराज खान, रजत पाटीदार, केएस भरत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार।

यशस्वी के पास सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने मौका

363 रनों की और जरुरत

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आजकल शानदार फार्म में चल रहे हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। अब उनके पास इस सीरीज में सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने का अवसर है। अब तक ये रिकार्ड विनोद कांबली के नाम है। कांबली ने अपने 12वें टेस्ट की 14वीं पारी में ही 1000 रन बना दिये थे। वहीं यशस्वी ने अबतक भारतीय टीम की ओर से छह टेस्ट मैच खेलकर 637 रन बना लिए हैं। इसमें एक शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। यशस्वी का ओवरऑल रिकॉर्ड 6 टेस्ट, 11 पारी, 637 रन है। ऐसे में अगर यशस्वी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 363 रन और बना लें तो उनके टेस्ट करियर के एक हजार रन पूरे हो जाएंगे। उन्होंने सीरीज के पहले दो मैचों में ही 321 रन बना दिये हैं। ऐसे में उनके लिए बचे हुए 3 मैच में 363 रन बनाना असंभव नहीं है। अब तक सबसे कम पारी में हजार रन बनाने का संयुक्त विश्व रिकॉर्ड हरबर्ट सटफ्लिक और एवर्टन वीक्स के नाम है। इन दोनों ने ही नौवें मैच की 12वीं पारी में अपने एक हजार रन बना लिए थे। वहीं जहां तक सबसे कम टेस्ट मैचों में हजार रन बनाने के रिकॉर्ड की बात करें तो यह उपलब्धि सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। ब्रैडमैन ने 7वें टेस्ट की 13वीं पारी में एक हजार रन पूरे किए थे। वहीं नील हार्वे ने 10 टेस्ट, 14 पारी में ये रन पूरे किये थे। इस मामले में विनोद कांबली पांचवें नंबर पर हैं। वहीं भारत के ही चेतेश्वर पुजारा ने 11वें टेस्ट की 18वीं पारी में अपने एक हजार रन पूरे किए थे।

गुलाब, लिली, ट्यूलिप... कितने फूलों के नाम जानते हो तुम। लिस्ट बनाने लगोगे तो काफी लंबी हो जाएगी। और हो भी क्यों ना, हमारे देश भारत में कई हजार फूलों की किस्में मिलती हैं। तभी तो बनता है सुंदर गुलदस्ता अपने दोस्त के लिए, टीचर्स के लिए... चलो, बताते हैं इस मौसम में तुम्हारे बाग को सुंदर बनाने में कौन से फूल करेंगे तुम्हारी मदद।

तुमसे मिलने आए हैं रंग-बिरंगे फूल

गुलदाउदी के घने फूल

गुलदाउदी के फूल कितने घने लगते हैं ना देखने पर। पतली पतली पत्तियां, इतनी सुंदर बनावट। कौन नहीं लगाना चाहेगा अपने गमले में इसे। इसे लगाने के लिए बड़ा गमला ही उपयोग में लाओ। और एक गमले में चार-पांच पौधे लगाने चाहिए, ताकि गमला भरा रहे। यह बारहमासी सजावटी पौधा है। इसकी लगभग 30 प्रजातियां पाई जाती हैं। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि इस फूल का उपयोग कीटनाशक के तौर पर भी किया जाता है।

क्या है खासियत - गुलदाउदी संसार के सबसे प्रसिद्ध एवं शरद ऋतु में फूलने वाले पौधों में से एक है। यह बहुत से रंगों में पाया जाता है, जैसे लाल, गुलाबी, पीला, बैंगनी और मिले-जुले रंग।

गुलाब

फूलों की बात हो तो सबसे पहले राजा ही आएगा ना... यानी गुलाब। लाल, सफेद, गुलाबी कितने ही रंगों में खिलने वाला यह फूल अपने आप में ही खास है। खास खुशबू और खूबसूरती के कारण ही ये फूलों का राजा कहलाता है। इसकी लगभग 100 प्रजातियां पाई जाती हैं। इन खूबसूरत फूलों के साथ कांटे भी लगे होते हैं। इसका इंग्लिश नाम रोज फ्रांसीसी शब्द से आया है। गुलाब का पौधा सजावटी पौधे के तौर पर लगाया जाता है। साथ ही इसका व्यापार भी किया जाता है। इससे तैयार होने वाले परफ्यूम की बाजार में बड़ी मांग है।

क्या है खासियत - गुलाब की पत्तियां गुलाब-जल बनाने के लिए भी उपयोग की जाती हैं। तुम्हारे गार्डन में है यह फूल, नहीं तो तैयारी कर लो इसे लगाने की।

लाल-लाल गुड़हल

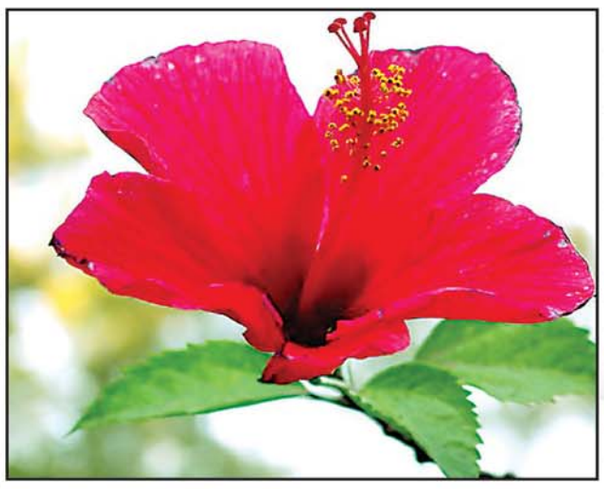

पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले इस फूल के बारे में हमारी किताबों में भी पढ़ाई होती है। यह सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं होता, बल्कि यह सेहत का खजाना भी लिए हुए होता है। इसे हिबिसकस या जवाकुसुम भी कहते हैं।

यह विभिन्न रंगों में तो मिलते ही हैं, साथ ही इनका आकार भी कई तरह का होता है। इसकी करीब 200 से 220 प्रजातियां पाई जाती हैं। इस फूल की दो प्रजातियां तो मलेशिया तथा दक्षिण कोरिया का राष्ट्रीय पुष्प भी हैं। गुड़हल की कुछ प्रजातियों को उनके सुन्दर फूलों के लिए उगाया जाता है। नींबू पुदीने आदि की तरह गुड़हल की चाय भी सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है। यह फूल सर्दियों में खूब फलता है। इसे भी धूप की आवश्यकता कम ही होती है। हफ्ते में दो बार पानी डालने से भी इसका काम चलता है। तो देर किस बात की, इस सुंदर लाल फूल को तुम घर के बाहर या भीतर गमले में लाकर लगा सकते हो।

क्या है खासियत- गुड़हल की एक प्रजाति कनाफ का प्रयोग कागज बनाने में किया जाता है। एक अन्य प्रजाति 'रोजैल' का प्रयोग प्रमुख रूप से कैरेबियाई देशों में सब्जी, चाय और जैम बनाने में किया जाता है।

खूबसूरत फूल डहेलिया

ज्यादातर बगीचों के लिए यह सबसे जरूरी फूल है। इसके कितनी ही जाति के फूल पाए जाते हैं। डहेलिया बड़े आकार का अनेक रंगों और आकारों में पाया जाने वाला आकर्षक फूल है। इसकी 50,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके लिए सामान्य वर्षा वाली ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है। इसके लिए खुली धूप वाली भूमि अच्छी रहती है। इसके फूल बड़े आकार के बनते हैं, जो देखने में काफी आकर्षक होते हैं।

क्या है खासियत - यह लाल, पीला, गुलाबी, बैंगनी, दोहरे रंगों में मिलता है। इसके फूल कई दिनों तक डाल पर बने रहते हैं और काफी बड़े होते हैं। ये जाड़ों का फूल है, इसलिए पानी का ध्यान रखना जरूरी है। और हां, बीच में खाद देनी चाहिए। धूप की जरूरत होती है इसे। इसे अपने गार्डन में जरूर लगाना।

ट्यूलिप

जैसे ऋतुओं में राजा वसंत होता है, फलों में राजा आम होता है, वैसे ही फूलों में भी राजा होता है। ठंड के फूलों का राजा ट्यूलिप को कहा जाता है। ट्यूलिप काफी खूबसूरत और मनमोहक होता है। इसे देखकर ऐसा लगता है, मानो यह आर्टिफिशियल फूल है। भारत में कश्मीर में और विदेशों में कई जगहों पर व्यापक पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। कश्मीर में तो कई जगहों पर ट्यूलिप के बाग हैं। ट्यूलिप 109 प्रजाति के पाए जाते हैं। दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और ईरान से इस फूल की उत्पत्ति हुई थी। यह लाल, गुलाबी, पीला, नीला, बैंगनी रंगों में पाया जाता है।

मन को मोह लें पैंसी के फूल

पैंसी के नीले-पीले फूल किसे पसंद नहीं। इनका नीला रंग तो तुम्हें भी पसंद होगा। चार पत्तियों वाले इस फूल के पौधे को ठंडा मौसम बहुत पसंद है। और हां, जब इसमें फूलों की रफ्तार कम हो तो इसे उखाड़ फेंकने की जरूरत नहीं, बल्कि थोड़ी सी देखभाल करो ये दोबारा फूलों से भर जाएंगे। इसकी मिट्टी में हमेशा पानी डाल कर ठंडक बनाए रखो तो ये हमेशा खिल कर तुम्हारे गार्डन को खूबसूरत बनाए रखेंगे। इसकी लंबी शाखाओं की काट-छांट करते रहना चाहिए।

क्या है खासियत - ठंड का मौसम आ गया है। अगर पैंसी नहीं है तुम्हारे गार्डन में तो लगा लो। इन्हें ज्यादा धूप की जरूरत नहीं पड़ती। छाया में ये ज्यादा अच्छी तरह से बढ़ते हैं।

ऑर्केड

ऑर्केड के फूल कई तरह के होते हैं, जिनके खिलने की उम्र भी अलग-अलग होती है। कुछ एक माह तक, तो कुछ तीन से चार माह तक खिले रह सकते हैं। इनकी खुशबू मनमोहक होती है। कुछ ऑर्केड्स की खुशबू चॉकलेट, नारियल की तरह होती है, तो कुछ फलों जैसी खुशबू देते हैं।

स्टोकस्टोक

स्टोकस्टोक काफी स्वीट और स्पाइसी सी खुशबू देने वाला फूल है। यह दिखने में काफी आकर्षक लगता है। एक पौधे में एक इंच के डाइमीटर में एक ही फूल होता है। गार्डन सजाने में और बुके में इसका काफी इस्तेमाल किया जाता है। यह सफेद, क्रीम, पीला, गुलाबी, पर्पल, पीच जैसे कई आकर्षक रंगों में पाया जाता है। यह फूल इस मौसम में लगाना चाहिए।

लिली के फूल के हैं कई रंग

लिली के फूल देखे हैं न तुमने... सुंदर और सफेद, ऑरेंज, पीले और लाल रंग के। ये अगस्त के महीने में खिलते हैं। कुछ वर्ष पहले तक हम गुलाब की कुछ विशेष प्रजातियों का ही निर्यात करते थे, लेकिन अब लिली की प्रजातियां भी भारत में उगाई जा रही हैं। साथ ही इनका बड़ी तादाद में जापान, सऊदी अरब और पाकिस्तान जैसे देशों में निर्यात भी किया जा रहा है। इनके बीज मुख्यत: हॉलैंड से आते हैं। सामान्यत: ये फूल नवंबर तक बाजार में आ जाते हैं और फरवरी तक बाजार में रहते हैं।

क्या है खासियत - इसमें ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं है, क्योंकि किसी भी लोकेशन में ये खिल जाते हैं। ये बीज के द्वारा आसानी से लगाए जा सकते हैं।

ये भी हैं खास

गेंदा - इसे तो तुम नवम्बर, जनवरी और मई-जून में से किसी भी महीने में लगा सकते हैं। यह बारहमासी पौधा है और इसके पीले फूल सबको आकर्षित करते हैं। इस प्रकार पूरे साल ये तुम्हारे लिए हाजिर रहता है। इस पर मेहनत भी कम लगती है। यह बहुत आसानी से उगाया जाता है। यह एक सजावटी पौधा है। इसकी भी कई किस्में होती हैं, जैसे हजारा गेंदा, मेरी गोल्ड, बनारसी या जाफरानी, जो कि बहुत छोटे फूल देता है।

बेला से तो दोस्ती होगी तुम्हारी

यह मौसम बेले को अपने घर लाने का उचित समय है। मनमोहक खुशबू वाले सफेद फूलों का यह पौधा लाजवाब होता है। मोती बेला लम्बे पेंडुलम जैसे अधिक समय तक रहने वाले फूल देता है।

कैंडीटफ्ट से करो फेंसिंग

ठंड के दिनों में आने वाले इन छोटे फूलों की फेंसिंग काफी सुंदर लगती है। नवंबर-दिसंबर इसको लगाने के लिए आदर्श समय है।

ग्लैडिओलस

इसे स्वोर्ड लिली के नाम से भी जाना जाता है। ये काफी खुशबू वाले फूल हैं, जो गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों में मिलते हैं।

उपयोग इन फूलों के

खूशबूदार और देखने में सुंदर ये फूल काफी उपयोगी होते हैं हमारे लिए। फ्रेंड के जन्मदिन पर जा रहे हो तो गिफ्ट के तौर पर तुम फूल ले जा सकते हो। इसके अलावा फूलों की खुशबू सबको खुश कर देती है। फूलों से सजने के बाद घर हो या मंदिर काफी सुंदर लगने लगता है। फूल से घर सजाया है कभी तुमने और अपनी दादी और नानी की पूजा के लिए भी फूल लाते ही होगे तुम। गेंदा-गुलाब आदि के फूल तो हमेशा पूजा के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। साथ ही कई फूलों का इस्तेमाल खाने, पीने या दवाओं के काम के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए इन सर्दियों में अपने घर के भीतर और बाहर फूलों वाले पौधे जरूर लगाना।

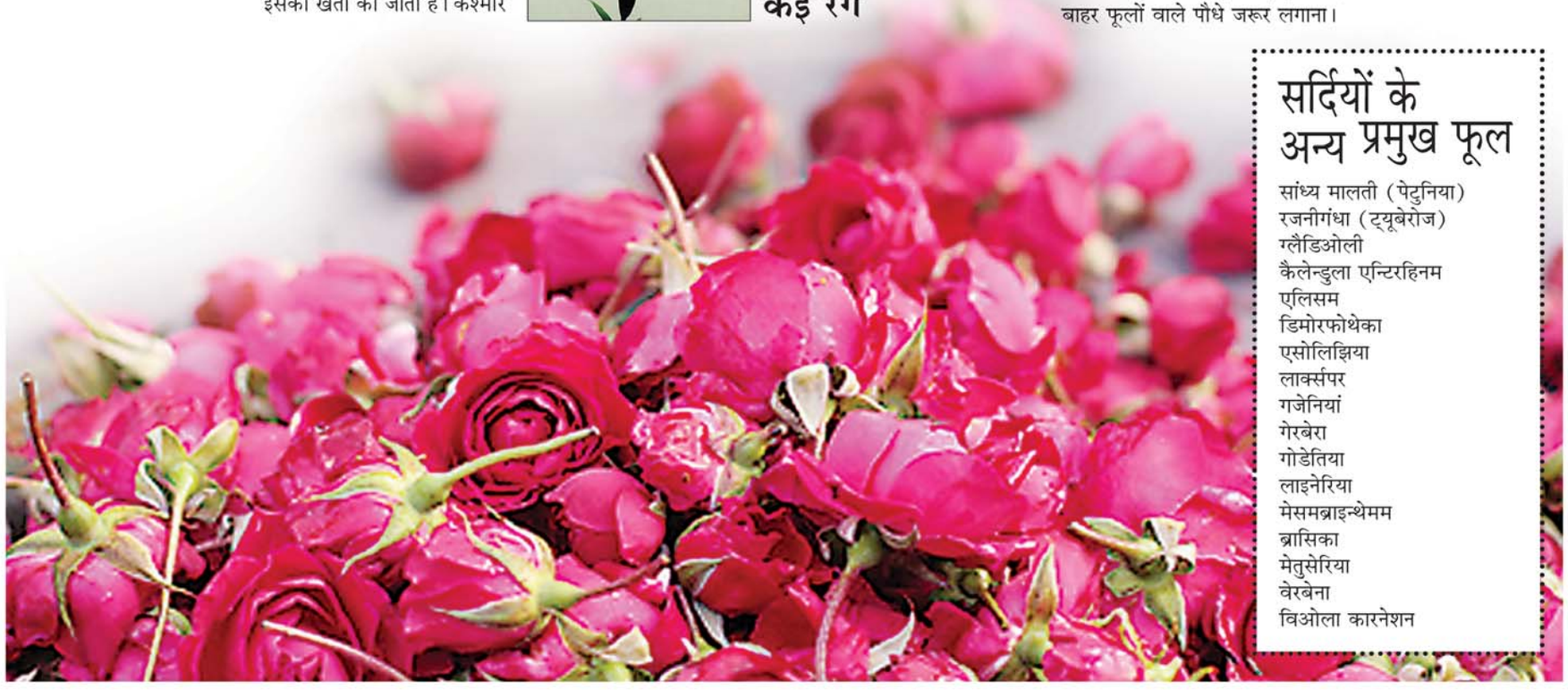

सर्दियों के अन्य प्रमुख फूल

सांध्य मालती (पेटुनिया)
रजनीगंधा (ट्यूबेरोज)
ग्लैडिओली
कैलेन्डुला एन्टिरहिनम
एलिसम
डिमोरफोथेका
एसोलिझिया
लार्क्सपर
गजेनियां
गेरबेरा
गोडेतिया
लाइनेरिया
मेसमब्राइन्थेमम
ब्रासिका
मेतुसेरिया
वेरबेना
विओला कारनेशन

कोई नहीं डॉगी से वफादार

डॉगी पालतू जानवरों में सबसे अच्छे दोस्त साबित होते हैं। धीरे-धीरे ये तुम्हारी पसंद-नापसंद को भी समझने लगते हैं। तुम अगर उदास हो तो इनका मन भी किसी काम में नहीं लगता। लेकिन इसके अलावा भी डॉग्स की कई और खासियतें होती हैं, जिनके बारे में आज तुम्हें बता रहे हैं -

पालतू जानवरों में कुत्ते हमारे सबसे करीब होते हैं, क्योंकि कुत्तों को दोस्ती का हुनर मालूम होता है। ये जितने अच्छे दोस्त होते हैं, उतने ही अच्छे बॉडीगार्ड भी बन जाते हैं। किसी की भी भावनाओं को ये खूब अच्छी तरह समझ पाते हैं। कुत्तों के बारे में ऐसी ही कुछ आश्चर्यजनक बातें भी हैं, जो इन्हें सबसे अलग बनाती हैं। जैसे, कुत्तों के पास किसी खतरे को पहले से ही महसूस कर लेने की क्षमता होती है। अच्छा-बुरा क्या होने वाला है, कुत्ते अपनी हरकतों से बता देते हैं -

शिकार, खेती और सुरक्षा के अलावा कुत्ते विकलांगों को सहायता भी करते हैं। बुलडॉग, जर्मन शेफर्ड, कूली, गोल्डन रीट्राइवर, सेंट बरनार्ड, ग्रेहाउंड, ब्लडहाउंड, चीहुआहुआ, लैब्राडोर, डेन, रोटविलर, बॉक्सर और कॉकर स्पैनियेल समेत कुत्तों की दुनियाभर में सौ से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें लैब्राडोर सबसे ज्यादा प्रचलित प्रजाति है। लैब्राडोर के सौम्य स्वभाव के चलते इसे सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लैब्राडोर जितना आज्ञाकारी होता है, उतना चालाक भी होता है। लैब्राडोर की एक और खास बात यह है कि इसमें अथाह ऊर्जा होती है। ये जल्दी थकता नहीं और इसीलिए लैब्राडोर को पुलिस गाइड की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। कुत्तों के सुनने की क्षमता तेज होती है। ये मनुष्यों के मुकाबले चार गुना ज्यादा दूरी से आ रही आवाज को सुन सकते हैं। कुत्तों के सूंघने की क्षमता भी मनुष्यों से कई हजार गुना ज्यादा होती है। कुत्तों की जिंदगी दस से चौदह साल की होती है। पुराने जमाने में मिस्त्र के लोग कुत्तों से इतना प्यार करते थे कि उसके मर जाने पर उनका दाह संस्कार करते थे और पूरे दिन रोते थे। यही नहीं, शोक मनाने के लिए अपनी भौहें भी हटा देते थे और बालों पर गीली मिट्टी लगाते थे। अंगूर और किसमिस से कुत्तों का पेट खराब हो सकता है। चॉकलेट, पका प्याज या ऐसा कुछ जिसमें कैफीन की मात्रा पाई जाती है, वह कुत्तों की सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। नवजात बच्चा जन्म के वक्त अंधा, बहरा होता है और उसके दांत नहीं होते। बेसेंजी विश्व का एक मात्र ऐसा कुत्ता है, जो कभी भौंकता नहीं है। अमेरिका में सबसे ज्यादा कुत्ते पाए जाते हैं। इस मामले में फ्रांस दूसरे स्थान पर है। मनुष्यों की उंगलियों की तरह कुत्तों की नाक खास होती है। फिंगर प्रिंट से जैसे किसी व्यक्ति को पहचाना जा सकता है, ठीक उसी तरह कुत्तों की नाक की छाप से भी उन्हें पहचाना जा सकता है। कुत्तों की सबसे पुरानी प्रजाति ग्रेहाउंड है। कुत्तों को मीठा बहुत पसंद होता है।

अंग्रेजी ग्रामर सीखो इस एप से

अंग्रेजी भाषा व्याकरण पर आधारित है। अगर तुम व्याकरण नियमों को ठीक से नहीं समझोगे तो अंग्रेजी लिखने और बोलने में दिक्कत होगी। तुम्हें इन नियमों को विस्तार से समझाने का काम यह एप करता है। यह एप्लिकेशन पॉकेट ग्रामर का काम करेगा। इसका नाम है 'इंग्लिश ग्रामर बुक'।

ग्रामर के सभी सेक्शन एक साथ

इस एप में इंग्लिश ग्रामर के सभी सेक्शन जैसे कि नाउन, प्रोनाउन, वर्ब, एडवर्ब, ऑक्ज्यूलरी वर्ब, प्रेपोजिशन, कंजंक्शन, टेंस आदि के बारे में काफी सरल व सहज तरीके से बताया गया है। इन टॉपिक्स को पढ़ते हुए तुम्हें किसी की मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आसानी से तुम इन्हें समझ पाओगे।

प्रश्न बैंक करेगा राह आसान

इस एप में अंग्रेजी व्याकरण के सभी टॉपिक्स से संबंधित महत्वपूर्ण सवालों का एक डाटा बैंक दिया गया है। तुम्हें जिस किसी भी सेक्शन के प्रश्नों के बारे में जानकारी चाहिए, उस पर क्लिक करोगे तो तुम्हें उससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण सवाल मिल जाएंगे। इन सवालों के नियमित अभ्यास से ग्रामर मजबूत हो जाएगी।

FOR SALE REAL ESTATE

We provide several modern-style houses that are very suitable for your family, with several types of interesting facilities in them. Get it soon, limited units.

Our housing is close to public roads and it's very easy to access by public transportation.

Our housing also has a public garden, where all residents can enjoy it.

Our housing has a playground for children that the children will definitely like.

For More Information you can contact us

Noida || Greater Noida || Yamuna Expressway || Jewar Airport

or visit us at

+91 9871577057 www.propreluxuryrealestate.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in